Hindi | हिन्दी

बाल सुरक्षा मानकों के लिए लघु मार्गदर्शिका

संस्करण 1.10 • अप्रैल 2023

COMMISSION FOR CHILDREN
AND YOUNG PEOPLE

बच्चों और युवाओं के लिए कमीशन (आयोग)

विषय-वस्तु

पृष्ठभूमि 3

इस मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें 4

मानक 1: संगठन एक सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित वातावरण स्थापित करते हैं जिसमें एबोरिजनल बच्चों और युवाओं की विविध और विशिष्ट पहचानों और अनुभवों का सम्मान किया जाता है और इन्हें महत्व दिया जाता है 6

मानक 2: बाल सुरक्षा और भलाई को संगठनात्मक नेतृत्व, शासन और संस्कृति में अंतर्निहित किया जाता है 12

मानक 3: बच्चों और युवाओं को उनके अधिकारों के बारे में सशक्त किया जाता है, वे उन्हें प्रभावित करने वाले निर्णयों में भाग लेते हैं और उन्हें गंभीरता से लिया जाता है 15

मानक 4: बाल सुरक्षा और भलाई को बढ़ावा देने के लिए परिवारों और समुदायों को सूचित और शामिल किया जाता है 19

मानक 5: नीति और व्यवहार में समानता को बरकरार रखा जाता है और विविध आवश्यकताओं का सम्मान किया जाता है 22

मानक 6: बच्चों और युवाओं के साथ काम करने वाले लोग बाल सुरक्षा और भलाई से जुड़ी मान्यताओं को अभ्यास में दर्शाने के लिए उपयुक्त हैं और इसमें उनका समर्थन किया जाता है 26

मानक 7: शिकायतों और चिंताओं के लिए प्रक्रियाएँ बाल-केंद्रित हैं 30

मानक 8: स्टाफ और स्वयंसेवक निरंतर शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों और युवाओं को सुरक्षित रखने के लिए ज्ञान, कौशल और जागरूकता से लैस हैं 34

मानक 9: भौतिक और ऑनलाइन परिवेश बच्चों और युवाओं को नुकसान पहुंचाने के अवसर को कम करते हुए सुरक्षा और भलाई को बढ़ावा देते हैं 37

मानक 10: बाल सुरक्षा मानकों के कार्यान्वयन की नियमित तौर पर समीक्षा और इसमें सुधार किया जाता है 40

मानक 11: नीतियां और प्रक्रियाएँ इस बात को दस्तावेज़ी रूप देती हैं कि संगठन बच्चों और युवाओं के लिए कैसे सुरक्षित है 43

पृष्ठभूमि

सभी बच्चों को सुरक्षित महसूस करने और सुरक्षित रहने का अधिकार है, लेकिन सुरक्षा अपने आप से ही नहीं हो जाती है।

हाल के वर्षों में हमें कई उत्तरजीवियों (सर्वाइवरों) और अनेक जाँच-पड़तालों से सीखने का लाभ मिला है, जिसमें विक्टोरियाई संसद की *भरोसे के साथ विश्वासघात* की जांच [1]और बाल यौन शोषण के प्रति संस्थागत प्रतिक्रियाओं के संबंध में राजकीय आयोग[2] [राजकीय आयोग (रॉयल कमीशन)] शामिल हैं। जब संगठनों के पास दुर्व्यवहार को रोकने के लिए सही संस्कृति, प्रणालियाँ, प्रक्रियाएँ और समझबूझ नहीं होती है, तो इनसे बच्चों को होने वाले नुकसान की विनाशकारी सीमा दिखाई दी है।

एक बाल सुरक्षित संगठन बच्चों को शारीरिक, यौन, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहार और उपेक्षा से बचाने के लिए सोचे-समझे कदम उठाता है। यह बच्चों की सुरक्षा और भलाई को सबसे पहले रखता है और संगठन के हर पहलू में बाल सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को शामिल करता है।

विक्टोरिया के अनिवार्य बाल सुरक्षा मानक (मानक) 2016 से प्रभावी हैं।

राजकीय आयोग (रॉयल कमीशन) के बाद, विक्टोरियाई सरकार ने मानकों की समीक्षा की।[3] समीक्षा में मानकों के लिए मजबूत समर्थन मिला और इसमें बाल सुरक्षा संगठनों के लिए राष्ट्रीय सिद्धांतों के साथ मानकों को बेहतर ढंग से संरेखित करने और मानकों के प्रशासन को मजबूत करने के लिए कई बदलावों की सिफारिश की गई।

इन सिफारिशों के अनुरूप, 2021 में विक्टोरियाई सरकार द्वारा अपडेट किए हुए मानक जारी किए गए थे। इनमें 11 अपडेट किए गए मानक शामिल हैं जो 1 जुलाई 2022 से लागू हुए थे।

मानकों को लागू करने में, संगठनों को आज तक के अपने प्रयासों पर विचार करने और बच्चों को नुकसान और दुर्व्यवहार से मुक्त रखने के लिए अपनी क्षमता का निर्माण जारी रखने का अवसर मिला है।

---

[1] परिवार और सामुदायिक विकास समिति, विक्टोरियाई संसद, भरोसे के साथ विश्वासघात: धार्मिक और अन्य गैर-सरकारी संगठनों द्वारा बाल शोषण से निपटने से संबंधित जांच, विक्टोरिया 2013, 2: पृष्ठ 262।

[2] ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रमंडल (कॉमनवेल्थ ऑफ ऑस्ट्रेलिया), बाल यौन शोषण के प्रति संस्थागत प्रतिक्रियाओं के संबंध में राजकीय आयोग, 2017।

[3] स्वास्थ्य और मानव सेवाएँ विभाग, विक्टोरियाई बाल सुरक्षा मानकों की समीक्षा, 2019।

इस मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें

यह मार्गदर्शिका प्रत्येक मानक को संक्षेप में रेखांकित करती है, जिसमें उन अपेक्षित परिणामों, न्यूनतम आवश्यकताओं और अनुपालन संकेतकों की पहचान की जाती है जो संगठनों को प्रत्येक मानक का अनुपालन करने में सहायता करेंगे। संगठन मानकों का अनुपालन कैसे कर सकते हैं, इस बारे में अधिक विस्तृत मार्गदर्शन बाल और युवा लोगों के लिए आयोग की बाल सुरक्षा संगठन बनाने के लिए एक मार्गदर्शिका में शामिल हैं।

प्रत्येक मानक को एक अपेक्षित **परिणाम** के विवरण के रूप में व्यक्त किया जाता है जिसे संगठनों को प्राप्त करना होगा। उदाहरण के लिए, मानक 3 के लिए आवश्यक है कि 'बच्चे और युवा अपने अधिकारों के बारे में सशक्त हों, उन्हें प्रभावित करने वाले निर्णयों में भाग लें और उन्हें गंभीरता से लिया जाए'।

प्रत्येक मानक में **न्यूनतम आवश्यकताएं** शामिल होती हैं जिन्हें संगठनों को पूरा करना होगा। नए मानक संगठनों को इच्छित परिणाम को पूरा करने में सहायता करने के लिए अधिक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, और साथ ही अनुकूलनशीलता की अनुमति भी देते हैं।

प्रत्येक मानक के लिए, बाल और युवा लोगों के लिए आयोग (कमीशन) ने दस्तावेज़ों और कार्रवाइयों की एक सूची प्रदान की है जो यह दर्शाएगी कि आपका संगठन इन न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। हम इन्हें **अनुपालन संकेतक** कहते हैं। अनुपालन संकेतक इस फीडबैक के जवाब में विकसित किए गए थे कि अनुपालन का आकलन करते समय संगठन इस बारे में अधिक सलाह ले रहे हैं कि नियामक क्या देखते हैं। अनुपालन संकेतक आम तौर पर न्यूनतम आवश्यकताओं में से एक या एक से अधिक के अनुरूप होते हैं, जो संकेतक के बाद कोष्ठक (बरैक्टों) में दिखाए जाते हैं।

संगठन आम तौर पर मानकों का अनुपालन करेंगे यदि वे सूचीबद्ध दस्तावेजों को प्रदान करते हैं और प्रत्येक अध्याय में **अनुपालन संकेतकों** में निर्धारित कार्यों को पूरा करते हैं। हालांकि, आपके संगठन को यह सुनिश्चित करना होगा कि लिया गया दृष्टिकोण **परिणाम** और **न्यूनतम आवश्यकताओं** को हासिल करता है, जैसा कि प्रत्येक मानक में निर्धारित किया गया है।

यह मार्गदर्शिका सामान्य प्रकृति की है क्योंकि मानक संगठनों की इतनी विस्तृत और विविध श्रेणी पर लागू होते हैं। आपके संगठन की प्रकृति या विशेषताओं का यह अर्थ हो सकता है कि आपको इस मार्गदर्शिका में प्रस्तावित चीज़ों से कुछ अलग करने की ज़रूरत है। यदि ऐसा है, तो आपको यह बताना पड़ सकता है कि आपका दृष्टिकोण **परिणामों** और मानकों की **न्यूनतम आवश्यकताओं** का अनुपालन कैसे करता है।

विक्टोरिया में आयोग सहित मानकों के लिए छह सह-नियामक हैं, और आप आयोग की वेबसाइट पर अपने नियामक का पता लगा सकते/ती हैं। कुछ संगठन जो बच्चों के लिए एक से अधिक प्रकार की सेवाएं प्रदान करते हैं, उनके पास एक से अधिक नियामक हो सकते हैं। कुछ नियामकों ने उन क्षेत्रों और संगठनों के लिए विशिष्ट मार्गदर्शन जारी किया है जिन्हें वे विनियमित करते हैं। जहां एक सह-नियामक का मार्गदर्शन आपके सेक्टर (क्षेत्र) पर लागू होता है, और वह इस मार्गदर्शिका से अलग है, तो आपके संगठन को उस क्षेत्र में आपके संचालन के लिए आपके सह-नियामक के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

मानकों को लागू करने और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के बारे में और अधिक जानकारी के लिए, बाल सुरक्षा संगठन का निर्माण करने के लिए मार्गदर्शिका पढ़ें।

शब्दावली: इस मार्गदर्शिका में आदिवासी (एबोरिजिनल) शब्द एबोरिजिनल और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर लोगों को शामिल करता है। हम 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और युवाओं दोनों को शामिल करने के लिए बच्चे या बच्चों शब्द का उपयोग करते हैं। इस मार्गदर्शिका में, एक संगठन कोई भी ऐसा व्यवसाय या समूह है जो बच्चों के साथ काम करता है या उनके साथ स्वयंसेवा के काम करता है।

मानक 1: संगठन एक सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित वातावरण स्थापित करते हैं जिसमें एबोरिजनल बच्चों और युवाओं की विविध और विशिष्ट पहचानों और अनुभवों का सम्मान किया जाता है और इन्हें महत्व दिया जाता है

बाल सुरक्षा मानक 1 के अनुपालन में एक संगठन को कम से कम यह सुनिश्चित करना होगा:

1.1 एक बच्चे की अपनी संस्कृति को व्यक्त करने और अपने सांस्कृतिक अधिकारों का आनंद लेने की क्षमता को प्रोत्साहित किया और इसमें सक्रिय रूप से समर्थन दिया जाता है।

1.2 संगठन के भीतर रणनीतियां अंतर्निहित हैं जो सभी सदस्यों को एबोरिजाल संस्कृति की क्षमताओं को स्वीकार करने और उनकी सराहना करने और एबोरिजनल बच्चों और युवाओं की भलाई और सुरक्षा के लिए इसके महत्व को समझने के लिए तैयार करती हैं।

1.3 संगठन द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय अपनाए जाते हैं कि संगठन के भीतर नस्लवाद की पहचान की जाए, उसका सामना किया जाए और उसे बर्दाश्त न किया जाए। नस्लवाद के किन्हीं भी उदाहरणों को उचित परिणामों के साथ संबोधित किया जाता है।

1.4 संगठन आदिवासी (एबोरिजनल) बच्चों, युवाओं और उनके परिवारों द्वारा इसमें भागीदारी और समावेशन का सक्रिय रूप से समर्थन करता है और इसे सुगम बनाता है।

1.5 संगठन की सभी नीतियां, प्रक्रियाएँ, प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ मिलकर सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित और समावेशी वातावरण बनाती हैं तथा एबोरिजनल बच्चों, युवाओं और उनके परिवारों की ज़रूरतों को पूरा करती हैं।

मुख्य विषय

- आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आपके संगठन में भाग लेते समय सभी बच्चे सुरक्षित महसूस करें और सुरक्षित रहें। इसमें एबोरिजनल [4]बच्चे भी शामिल हैं।
- एबोरिजनल बच्चों के लिए सांस्कृतिक सुरक्षा को 'बच्चे को एक सुरक्षित, पोषित और सकारात्मक वातावरण प्रदान किया जा रहा है, जहाँ वे बिना बदले, अपनी संस्कृति... अपनी आध्यात्मिक और विश्वास प्रणालियों को व्यक्त करने में सहज महसूस करते हैं, और वे देखभाल करने वाले द्वारा समर्थित हैं... (जो) उनकी आदिवासीता अर्थात उनके एबोरिजनल होने का सम्मान करते हैं और इसलिए उनकी स्वयं और पहचान की भावना को प्रोत्साहित करते हैं' के रूप में परिभाषित किया गया है।[5]
- सांस्कृतिक सुरक्षा हासिल करने में यह समझना शामिल है कि किसी संगठन को एबोरिजनल लोगों और विशेष रूप से एबोरिजनल बच्चों द्वारा कैसे देखा और अनुभव किया जाता है।

---

[4] इस मार्गदर्शिका में 'एबोरिजिनल' शब्द एबोरिजिनल और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर लोगों को शामिल करता है।

[5] SNAICC, सांस्कृतिक सुरक्षा, 2021।

- एबोरिजनल लोगों में से प्रत्येक का एक विशिष्ट इतिहास और अनुभव होता है, और एबोरिजनल लोगों के अद्वितीय स्थान को प्रथम राष्ट्र के लोगों के रूप में पहचानना महत्वपूर्ण है।
- एबोरिजनल के रूप में पहचान करना बच्चे की पहचान का एक हिस्सा है। सभी की तरह, एबोरिजनल लोगों के जीवन के अनुभव और विशेषताएं अलग-अलग होती हैं। संगठनों को एबोरिजनल बच्चों के लिए सहायक वातावरण प्रदान करने होंगे जो यह पहचान करें कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी विशेषताओं, क्षमताओं और चुनौतियों के साथ, अद्वितीय है।
- संस्कृति और पहचान एक-दूसरे से जुड़े हैं, और एबोरिजनल बच्चों को उनकी पहचान में मजबूत महसूस करने में सहायता करके, आप उन्हें उनके सांस्कृतिक अधिकारों का आनंद लेने में भी मदद करते हैं।
- अपनी सांस्कृतिक पहचान को व्यक्त करने में सक्षम होने से एबोरिजनल बच्चे अधिक मजबूत और सुरक्षित बनते हैं।[6] यह कई कारणों से महत्वपूर्ण है। बाल दुर्व्यवहार को रोकने के संदर्भ में, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि जब एबोरिजनल बच्चे अपने स्वयं के व्यक्तिव्त को बनाए रखने और अपनी संस्कृति को व्यक्त करने के लिए सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं, तो दूसरों द्वारा उनके साथ दुर्व्यवहार का जोखिम बढ़ जाता है और वे दुर्व्यवहार की रिपोर्ट करने के लिए कम इच्छुक हो सकते हैं।[7]
- सांस्कृतिक अधिकार प्रत्येक बच्चे के अधिकार हैं, या तो व्यक्तिगत रूप से या लोगों के समूह के हिस्से के रूप में, अपनी पृष्ठभूमि, रीति-रिवाजों, सामाजिक व्यवहार, भाषा, धर्म या आध्यात्मिकता, विश्वासों और जीवन जीने के तरीके को विकसित करने और व्यक्त करने के लिए।
- एबोरिजनल लोगों के पास अपनी पहचान और संस्कृति का आनंद लेने; अपनी भाषा का उपयोग बनाए रखने; अपने रिश्तेदारी संबंधों को बनाए रखने; और पारंपरिक कानूनों और रीति-रिवाजों के तहत भूमि, जल और अन्य संसाधनों के साथ अपने संबंध बनाए रखने के लिए अलग-अलग सांस्कृतिक अधिकार हैं।[8]
- अपने संगठन को समावेशी बनाना आपकी ज़िम्मेदारी है, और इसके लिए शिक्षा, चिंतन और सकारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता है।
- एबोरिजनल संस्कृतियों के बारे में सीखना एक सतत यात्रा का हिस्सा होना चाहिए। नेताओं, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों, बच्चों और संगठन के समुदाय के अन्य सदस्यों के बीच जागरूकता और समझ पैदा करना महत्वपूर्ण होगा। संगठन में उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों के आधार पर उन्हें जिन विभिन्न सहायता की आवश्यकता हो सकती है, उसके बारे में सोचें।
- एक बच्चे के परिवार को स्वागत का एहसास कराना और एक संगठन में शामिल करना उनकी सुरक्षा में योगदान देता है।[9] परिवार एबोरिजनल संस्कृति, आध्यात्मिकता और पहचान की आधारशिला होता है। कुछ अन्य संस्कृतियों की तुलना में परिवार को अक्सर एबोरिजनल संस्कृतियों के भीतर अधिक व्यापक रूप से परिभाषित किया जाता है।[10]

---

6 विक्टोरिया राज्य, परिवार, निष्पक्षता और आवास विभाग, Wungurilwil Gapgapduir एबोरिजनल बच्चे और परिवार समझौता, 2018, पृष्ठ 35।

7 पी एंडरसन एवं अन्य., *संस्थागत परिवेशों में एबोरिजनल और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर बच्चे और बाल यौन शोषण*, बाल यौन शोषण के प्रति संस्थागत प्रतिक्रियाओं के संबंध में रॉयल कमीशन के लिए रिपोर्ट, [pdf 1MB], 2017, पृष्ठ 30—33।

8 मानवाधिकार और उत्तरदायित्व अधिनियम का अधिकार-पत्र 2006 (विक्टोरिया) से अनुकूलित।

9 विक्टोरिया राज्य, स्वास्थ्य और मानव सेवाएँ विभाग, Balit Murrup: एबोरिजनल सामाजिक भावनात्मक कल्याण ढांचा 2017—2027, 2017।

10 SNAICC, परिवार से संबंध।

- नस्लवाद बच्चों के लिए हानिकारक है और उनकी भलाई और सुरक्षा को प्रभावित करता है। यह बाल शोषण का एक रूप हो सकता है। यदि बच्चे और उनके परिवार आपके संगठन के साथ बातचीत करते समय नस्लवाद का अनुभव करते हैं, तो हो सकता है कि वे अन्य चिंताओं या शिकायतों को उठाने में भी आत्मविश्वास महसूस न करें। नस्लवाद के बारे में शिकायतों को गंभीरता से लेना और उनका पूरी तरह से जवाब देना यह दर्शाता है कि आपके संगठन में नस्लवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
- एबोरिजनल संस्कृति के समर्थन या स्वीकृति के व्यापक बयान महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सिर्फ़ इनसे बच्चों के लिए सुरक्षा उत्पन्न नहीं होगी। सांस्कृतिक सुरक्षा का निर्माण करने के लिए आपके संगठन के दृष्टिकोण को पूरे संगठन में शामिल किए जाने की आवश्यकता है। इसका अर्थ है संगठन की सभी नीतियां, प्रक्रियाएं, प्रणालियां और विधियां एबोरिजनल बच्चों और उनके परिवारों की जरूरतों पर विचार करें और उन्हें पूरा करें।

अनुपालन संकेतक

इस मानक का आकलन करते समय आयोग क्या अवलोकन करेगा?

यह मानक एबोरिजनल बच्चों के लिए सांस्कृतिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संगठनों पर नए दायित्व स्थापित करता है।

सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित वातावरण स्थापित करने में समय, समर्पण और सार्थक सहभागिता चाहिए होती है। मानक 1 के अनुपालन को आगे बढ़ाने के लिए संगठनों को हर साल लंबी अवधि के लिए प्रतिबद्ध होने और सार्थक कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

आयोग समझता है कि इस नए मानक का अनुपालन करने के लिए संगठन अलग-अलग चरणों में होंगे। उन संगठनों की मदद करने के लिए **बुनियादी कदम** प्रदान किए गए हैं, जिन्होंने अभी तक एबोरिजनल बच्चों के लिए सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित वातावरण स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास नहीं किए हैं। ये **बुनियादी कदम** संगठनों को मानक का अनुपालन करने और कार्य योजना बनाने के लिए किए जाने वाले कार्यों की पहचान करने में मदद करते हैं।

यदि आपके संगठन को लगता है कि एबोरिजनल बच्चों के लिए सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित वातावरण स्थापित करने में वह पहले से ही आगे बढ़ चुका है, तो हो सकता है कि **बुनियादी कदमों** पर ध्यान देना आवश्यक न हो। **आगे के कदम** यहाँ दिए गए हैं ताकि आपका संगठन सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित संगठन बनने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए पहले से किए गए काम को और आगे बढ़ा सके।

आयोग पहले **बुनियादी कदमों** के अनुपालन पर ध्यान देगा। **बुनियादी कदम** नीतियों, प्रक्रियाओं और सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं के लिए आवश्यक परिवर्तनों को रेखांकित करते हैं, लेकिन यह मानते हैं कि संगठनों में बदलाव होने में समय लगता है। कार्य योजना को मानक के पूर्ण अनुपालन तक पहुंचने के लिए संगठन के मार्ग को रेखांकित करना चाहिए। **आगे के कदम** संगठनों को यह समझने में मदद करते हैं कि इस मानक का पूर्ण अनुपालन कैसा दिखाई दे सकता है।[11]

---

[11] आपके संगठन की प्रकृति या विशेषताओं का यह अर्थ हो सकता है कि आपको इस मार्गदर्शिका में प्रस्तावित चीज़ों से कुछ अलग करने की ज़रूरत है। यदि ऐसा है, तो आपको यह बताना पड़ सकता है कि आपका दृष्टिकोण परिणामों और मानकों की न्यूनतम आवश्यकताओं का अनुपालन कैसे करता है। कुछ क्षेत्रों और संगठनों के सह-नियामक हैं जिन्होंने विशिष्ट मार्गदर्शन जारी किया है। जहाँ मानकों पर सह-नियामक का मार्गदर्शन आपके संगठन पर लागू होता है, और यह इस मार्गदर्शिका से अलग है, तो आपके संगठन को उस क्षेत्र में आपके संचालनों के लिए सह-नियामक के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

बुनियादी कदम

दस्तावेज़

- एबोरिजनल बच्चों की सांस्कृतिक सुरक्षा के लिए एक सार्वजनिक प्रतिबद्धता उपलब्ध है और इसे सार्वजनिक पहुंच के लिए प्रदर्शित किया जाता है। (1.1, 1.4, 1.5 और 5.4 के लिंक)
- बाल सुरक्षा और भलाई नीति सहित बाल सुरक्षा और भलाई से संबंधित नीतियां और प्रक्रियाएं, एबोरिजनल बच्चों के सम्मान और महत्व के लिए संगठन की प्रतिबद्धता का वर्णन करती हैं। इसमें यह भी शामिल है कि:
  - कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को बच्चों को अपनी संस्कृति को व्यक्त करने और उनके सांस्कृतिक अधिकारों का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करना होगा और इसमें उनका समर्थन करना होगा
  - कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को एबोरिजनल बच्चों और उनके परिवारों द्वारा संगठन के भीतर भागीदारी और समावेशन का सक्रिय रूप से समर्थन करना होगा और इसे सुगम बनाना होगा
  - संगठन के भीतर नस्लवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और संगठन कैसे प्रतिक्रिया देगा, जिसमें संभावित परिणाम भी शामिल हैं
  - संगठन के नेतृत्व की ज़िम्मेदारी है कि वह संगठन से जुड़े सभी लोगों को [12]एबोरिजनल संस्कृति की क्षमताओं को स्वीकार करने और इसकी सराहना करने और एबोरिजनल बच्चों की भलाई और सुरक्षा के लिए इसके महत्व को समझने में मदद करे। (1.1, 1.2, 1.3, 1.4, 1.5)
- आचार संहिता और पद विवरण (पोज़ीशन डिस्क्रिप्शन) कर्मचारियों और स्वयंसेवियों के व्यवहार की अपेक्षाओं को रेखांकित करते हैं जिनमें शामिल हैं:
  - नस्लवाद के प्रति शून्य सहनशीलता और यह अपेक्षाएं कि कर्मचारी और स्वयंसेवक नस्लवाद की घटनाओं पर कार्रवाई करेंगे
  - कि बच्चों को अपनी संस्कृति को व्यक्त करने और उनके सांस्कृतिक अधिकारों का आनंद लेने के लिए समर्थन दिया जाएगा। (1.1, 1.3)
- एक कार्ययोजना सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित वातावरण स्थापित करने के लिए 1 जुलाई 2023 तक संगठन द्वारा उठाए जाने वाले कदमों को निर्धारित करती है जिसमें एबोरिजनल बच्चों की विविध और विशिष्ट पहचान और अनुभवों का सम्मान किया जाता है और इन्हें महत्व दिया जाता है। (1.1, 1.2, 1.3, 1.4, 1.5)

बुनियादी कदम

कार्रवाईयाँ

- नस्लवाद के उदाहरणों की लगातार पहचान की जाती है और उन पर ध्यान दिया जाता है। (1.3)
- संगठन निम्नलिखित के लिए पहले से उठाए गए कदमों की पहचान करता है:

---

[12] बाल सुरक्षा संगठन का निर्माण करने के लिए एक मार्गदर्शिका में इस बात की परिभाषा देखें कि संगठन के समुदाय को कौन बनाता है।

- एबोरिजनल संस्कृति को समझने, इसका सम्मान करने और इसे महत्व देने और एबोरिजनल बच्चों की भलाई और सुरक्षा के लिए इसके महत्व को समझने के लिए कर्मचारियों और स्वयंसेवकों तथा नेताओं को समर्थन, मार्गदर्शन या प्रशिक्षण देना (1.2 और 8.4 के लिंक)
  - एबोरिजनल बच्चों और उनके परिवारों की भागीदारी और समावेशन का सक्रिय रूप से समर्थन करना और इसे सुगम बनाना (1.4)
  - एबोरिजनल लोगों, उनकी उपलब्धियों, समुदायों और संस्कृतियों को पहचानना और उनका जश्न मनाना (1.2)
  - यह सुनिश्चित करना कि संगठन के भीतर नस्लवाद की पहचान की जाए और उसे उचित रूप से संबोधित किया जाए (1.3)
  - संगठन के भीतर एबोरिजनल बच्चों के लिए सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित वातावरण का निर्माण करना। (1.5 और 5.4 के लिंक)
- पहले से उठाए गए कदमों और पहचाने गए किसी भी अंतराल को ध्यान में रखते हुए, मानक 1 को पूरी तरह से लागू करने के लिए संगठन द्वारा की जाने वाली कार्रवाइयों की पहचान करना। कार्ययोजना में कार्रवाई करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति या टीम, उपलब्ध संसाधनों और समय सीमा की पहचान की जानी चाहिए। (1.1, 1.2, 1.3, 1.4, 1.5)

आगे के चरण

दस्तावेज़

- बाल सुरक्षा और भलाई नीति सहित नीतियां और प्रक्रियाएं, संगठन की अपेक्षाओं का वर्णन करती हैं और उन कार्रवाइयों के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान करती हैं जिन्हें कर्मचारियों, स्वयंसेवकों और नेताओं के लिए सांस्कृतिक रूप से ऐसे सुरक्षित वातावरण स्थापित करने के लिए करना आवश्यक है जिसमें एबोरिजनल बच्चों की विविध और विशिष्ट पहचान और अनुभवों का सम्मान किया जाता है और इन्हें महत्व दिया जाता है। (1.5)

कार्रवाईयाँ

- संगठन एबोरिजनल लोगों, समुदायों, संस्कृतियों और मूल्यों को स्वीकार करके और उनका सम्मान करके एबोरिजनल बच्चों और उनके परिवारों के लिए एक समावेशी और स्वागत योग्य भौतिक और ऑनलाइन वातावरण का निर्माण करता है। (1.2)
- सभी बच्चे सांस्कृतिक अधिकारों के बारे में संगठन से जानकारी प्राप्त करते हैं और संगठन एबोरिजनल बच्चों को अपनी संस्कृति को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सक्रिय कदम उठाता है। जब बच्चे अपनी संस्कृति को व्यक्त करते हैं, तो संगठन में कर्मचारी और स्वयंसेवक उन्हें समर्थन देते हैं। (1.1, 1.4 और 3.1 के लिंक)
- संगठन अपने यहाँ बच्चों को सशक्त बनाने और उन्हें एबोरिजनल बच्चों के लिए सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित तरीके से भाग लेने के अवसर प्रदान करने के लिए कदम उठाता है। (1.4 और 3.6 के लिंक)
- संगठन एबोरिजनल परिवारों को संगठन में भाग लेने के लिए सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित अवसर प्रदान करता है। (1.4)

- संगठन अपने समुदाय के सदस्यों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है:
  - सांस्कृतिक अधिकारों, एबोरिजनल संस्कृतियों की क्षमताओं और एबोरिजनल बच्चों की भलाई और सुरक्षा के लिए संस्कृति के महत्व के बारे में जानकारी
  - एबोरिजनल बच्चों के लिए सांस्कृतिक सुरक्षा तथा बाल दुर्व्यवहार एवं नुकसान की रोकथाम के बीच संबंध के बारे में जानकारी
  - एबोरिजनल संस्कृतियों और इतिहास को सीखने और उनकी सराहना करने के अवसर। (1.1, 1.2)
- वे रणनीतियाँ जो संगठन के समुदाय को एबोरिजनल संस्कृतियों की क्षमताओं को स्वीकार करने और उनकी सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, उन्हें संगठन में विकसित, कार्यान्वित और अंतर्निहित किया जाता है। (1.2)
- नस्लवाद को रोकने के लिए कार्यनीतियां लागू की जाती हैं और नस्लवाद की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाता है। (1.3)

मानक 2: बाल सुरक्षा और भलाई को संगठनात्मक नेतृत्व, शासन और संस्कृति में अंतर्निहित किया जाता है

बाल सुरक्षा मानक 2 के अनुपालन में एक संगठन को कम से कम यह सुनिश्चित करना होगा:

2.1 संगठन बाल सुरक्षा के लिए सार्वजनिक प्रतिबद्धता बनाता है।

2.2 बाल सुरक्षित संस्कृति को संगठन के सभी स्तरों पर ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक अपनाया जाता है और इसकी मिसाल पेश की जाती है।

2.3 शासन व्यवस्था सभी स्तरों पर बाल सुरक्षा और कल्याण नीति के कार्यान्वयन को सुगम बनाती है।

2.4 आचार संहिता अपेक्षित व्यवहार मानकों और जिम्मेदारियों पर कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के लिए दिशानिर्देश प्रदान करती है।

2.5 जोखिम प्रबंधन रणनीतियां बच्चों और युवाओं के लिए जोखिमों को रोकने, पहचानने और कम करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

2.6 कर्मचारी और स्वयंसेवक सूचना साझा करने और रिकॉर्ड रखने के अपने दायित्वों को समझते हैं।

मुख्य विषय

- आपके संगठन को बाल सुरक्षा के लिए सार्वजनिक प्रतिबद्धता बनानी होगी। यह पूरे समुदाय को संकेत देता है कि आपका संगठन बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है और बाल दुर्व्यवहार या नुकसान को बर्दाश्त नहीं करेगा।
- बाल सुरक्षा संस्कृति का अर्थ है कि संगठन के पास ऐसे साझा दृष्टिकोण, मूल्य, नीतियां और प्रथाएं हैं जो बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता देती हैं।
- किसी संगठन के यहाँ बाल सुरक्षा संस्कृति का होना उस संगठन के लिए यह आवश्यक बनाता है कि वे संगठन में नेताओं, कर्मचारियों, स्वयंसेवकों, सदस्यों और बच्चों की रोजमर्रा की सोच और कार्यों में बाल सुरक्षा का निर्माण करे।
- आपके संगठन का समुदाय संगठन के मूल्यों की मिसाल पेश करने के लिए नेताओं को आदर्श मानता है। इसका अर्थ है कि नेताओं का व्यवहार बच्चों की सुरक्षित संस्कृति की कुंजी है। नेताओं को बाल सुरक्षा प्रथाओं को अपनाना होगा और मिसाल पेश करनी होगी, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों से अपेक्षित व्यवहार का आदर्श रूप बनना होगा और बच्चों के लिए हानिकारक व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करना होगा।
- बाल सुरक्षा और भलाई नीति यह दर्शाती है कि आपका संगठन बच्चों की सुरक्षा और भलाई को कैसे प्राथमिकता देता है और इसके लिए क्या कदम उठाएगा। यह कर्मचारियों, स्वयंसेवकों और संगठन के समुदाय के लिए बाल सुरक्षा प्रथाओं के बारे में संगठन की अपेक्षाओं को निर्धारित करती है। बाल सुरक्षा और कल्याण नीति का निर्माण करने में इसके बारे में और अधिक पढ़ें।
- शासन किसी संगठन के नेतृत्व, निरीक्षण और जवाबदेही प्रक्रियाओं को संदर्भित करता है। शासन में किसी संगठन के वे नियम शामिल हैं कि निर्णयों को लेने का अधिकार किसके पास है, निर्णय कैसे

किए जाने चाहिए और उनकी निगरानी कैसे की जानी चाहिए, और लोगों को जवाबदेह कैसे माना जाए।[13]

- जबकि सभी संगठनों में शासन व्यवस्थाएं अलग-अलग होती हैं, उन्हें बाल सुरक्षा संस्कृति के विकास का समर्थन करने के लिए आपके संगठन की बाल सुरक्षा और कल्याण नीति के ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर, दोनों स्तरों के कार्यान्वयन का समर्थन करना होगा। इसका अर्थ है कि नेता बाल सुरक्षा और भलाई पर संगठन के लिए एक स्पष्ट निर्देश निर्धारित करें, जिसे संगठन के समुदाय के इनपुट (सहयोग) द्वारा सूचित किया गया हो। संगठन की शासन व्यवस्थाओं में पारदर्शिता भी होनी चाहिए और निर्धारित निर्देश की उपलब्धि के लिए नेताओं को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।
- आचार संहिता में बच्चों के साथ स्वीकार्य और अस्वीकार्य व्यवहारों को सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। यह पेशेवर सीमाओं, नैतिक व्यवहार, व्यवहार के अपेक्षित मानकों और स्वीकार्य और अस्वीकार्य संबंधों को बताता है। आचार संहिता विकसित करने में इसके बारे में और पढ़ें।
- संगठन में शासन व्यवस्थाओं को वरिष्ठ नेताओं को यह निरीक्षण करने में सहायता करनी चाहिए कि क्या संगठन में जोखिम मूल्यांकन और प्रबंधन बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के जोखिमों की पहचान करने, इन्हें रोकने और कम करने पर उचित रूप से केंद्रित है या नहीं। बाल सुरक्षा संगठन का निर्माण करने के लिए एक मार्गदर्शिका में मानक 9 जोखिम की पहचान करने और इसका प्रबंध करने के बारे में और अधिक जानकारी प्रदान करता है।
- बाल सुरक्षा के प्रबंधन के लिए प्रासंगिक जानकारी साझा करना महत्वपूर्ण है। आपके संगठन की संस्कृति, प्रणालियों और प्रक्रियाओं को बच्चों के जोखिमों के बारे में सभी स्तरों पर प्रभावी जानकारी साझा करने में सहायता करनी चाहिए। कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को अपने दायित्वों के बारे में स्पष्ट होने की आवश्यकता है।
- रिकॉर्ड रखने की एक अच्छी प्रणाली पारदर्शिता और जवाबदेही और आपके संगठन की समग्र अखंडता के लिए मुख्य होती है। बाल दुर्व्यवहार या नुकसान की शिकायत का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए सटीक रिकॉर्ड बनाना, इन्हें बनाए रखना और संग्रहीत करना महत्वपूर्ण है।
- जानकारी साझा करते समय और सुरक्षित रिकॉर्ड रखते समय इसमें शामिल लोगों की गोपनीयता और निजता पर हमेशा विचार किया जाना चाहिए।

अनुपालन संकेतक

इस मानक का आकलन करते समय आयोग क्या अवलोकन करेगा?

संगठन आम तौर पर इसका अनुपालन करेंगे यदि वे इन दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करते हैं और ऐसे तरीके से इन कार्रवाइयों को करते हैं जो इस मानक को हासिल करने के लिए संगठन का समर्थन करता है।[14]

---

13 ऑस्ट्रेलिया के शासन संस्थान (गवर्नेंस इंस्टीट्यूट ऑफ ऑस्ट्रेलिया) से अनुकूलित, शासन क्या है?

14 आपके संगठन की प्रकृति या विशेषताओं का यह अर्थ हो सकता है कि आपको इस मार्गदर्शिका में प्रस्तावित चीज़ों से कुछ अलग करने की ज़रूरत है। यदि ऐसा है, तो आपको यह बताना पड़ सकता है कि आपका दृष्टिकोण परिणामों और मानकों की न्यूनतम आवश्यकताओं का अनुपालन कैसे करता है। कुछ क्षेत्रों और संगठनों के सह-नियामक हैं जिन्होंने विशिष्ट मार्गदर्शन जारी किया है। जहाँ मानकों पर सह-नियामक का मार्गदर्शन आपके संगठन पर लागू होता है, और यह इस मार्गदर्शिका से अलग है, तो आपके संगठन को उस क्षेत्र में आपके संचालनों के लिए सह-नियामक के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

दस्तावेज़

- बाल सुरक्षा के लिए सार्वजनिक प्रतिबद्धता उपलब्ध है और इसे सार्वजनिक पहुँच के लिए प्रदर्शित किया जाता है। (2.1)
- बाल सुरक्षा और कल्याण नीति प्रत्येक मानकों के संबंध में संगठन की अपेक्षाओं और प्रथाओं को निर्धारित करती है। (2.3)
- आचार संहिता बच्चों के साथ कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के व्यवहार और बाल सुरक्षा और भलाई को बढ़ावा देने और बनाए रखने के संबंध में अपेक्षाएं निर्धारित करती है। (2.4)

कार्रवाईयाँ

- संगठन में मार्गदर्शक, कर्मचारी, स्वयंसेवक, सदस्य और बच्चे बाल सुरक्षा संस्कृति का समर्थन करते हैं और इसका आदर्श रूप प्रस्तुत करते हैं। वे बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए समर्थन व्यक्त करते हैं, बच्चों की सुरक्षा के बारे में चिंताएँ होने पर कार्रवाई करते हैं और रोजमर्रा के अभ्यास के हिस्से के रूप में बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। (2.2)
- मार्गदर्शक बाल सुरक्षा के संबंध में स्पष्ट अपेक्षाएं निर्धारित करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि बाल सुरक्षा और कल्याण नीति कर्मचारियों और स्वयंसेवकों द्वारा लागू की जाती है। (2.3)
- मार्गदर्शक रिपोर्टिंग की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। (2.2, 2.3)
- शासन व्यवस्थाओं का अर्थ है कि वरिष्ठ मार्गदर्शक नियमित रूप से बाल सुरक्षा और भलाई प्रदान करने में संगठन के प्रदर्शन की समीक्षा करते हैं। (2.3 और 10.1 के लिंक)
- शासन व्यवस्थाओं का अर्थ है कि वरिष्ठ मार्गदर्शक यह निगरानी करते हैं कि क्या संगठन में जोखिम मूल्यांकन और प्रबंधन बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के जोखिमों की पहचान करने, उन्हें रोकने और कम करने पर ठीक से केंद्रित है या नहीं। (2.5 और 9.1, 9.3 के लिंक)
- कर्मचारी और स्वयंसेवक अपनी जानकारी साझा करने और रिकॉर्ड रखने के दायित्वों को समझते हैं। (2.6)
- आचार संहिता का संचार सभी कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को किया जाता है और मार्गदर्शक इसका अनुपालन करने के लिए उन्हें ध्यान में रखते हैं। (2.4)

मानक 3: बच्चों और युवाओं को उनके अधिकारों के बारे में सशक्त किया जाता है, वे उन्हें प्रभावित करने वाले निर्णयों में भाग लेते हैं और उन्हें गंभीरता से लिया जाता है

बाल सुरक्षा मानक 3 के अनुपालन में एक संगठन को कम से कम यह सुनिश्चित करना होगा कि:

3.1 बच्चों और युवाओं को उनके सभी अधिकारों के बारे में सूचित किया जाता है, जिसमें सुरक्षा, सूचना और भागीदारी से जुड़े अधिकार शामिल हैं।

3.2 मित्रताओं के महत्व को पहचाना जाता है और साथियों के समर्थन को प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि बच्चों और युवाओं को सुरक्षित महसूस करने और कम अलग-थलग रहने में मदद मिल सके।

3.3 जहाँ परिवेश या संदर्भ के लिए प्रासंगिक हो, बच्चों और युवाओं को यौन शोषण रोकथाम कार्यक्रमों और प्रासंगिक संबंधित जानकारी तक आयु-उपयुक्त तरीके से पहुंच प्रदान की जाती है।

3.4 कर्मचारी और स्वयंसेवक नुकसान के संकेतों के प्रति अभ्यस्त हैं और बच्चों और युवाओं के लिए अपने विचार व्यक्त करने, निर्णय लेने में भाग लेने और अपनी चिंताओं को प्रकट करने के लिए बच्चों के लिए अनुकूल तरीकों की सुविधा प्रदान करते हैं।

3.5 संगठनों के पास ऐसी संस्कृति विकसित करने के लिए कार्यनीतियाँ हैं जो भागीदारी को सुविधाजनक बनाती है और बच्चों और युवाओं के विचारों (इनपुट) के प्रति उत्तरदायी होती है।

3.6 संगठन बच्चों और युवाओं को भाग लेने के अवसर प्रदान करते हैं और उनके योगदानों के प्रति उत्तरदायी होते हैं, जिससे आत्मविश्वास और सहभागिता मजबूत होती है।

मुख्य विषय

- बच्चों की एक ऐसे संगठन में चिंताएँ या शिकायतें प्रकट करने की अधिक संभावना होती है जो उन्हें सशक्त बनाता हो और उनकी बात सुनता हो।
- बच्चों के विचारों से आकार लेने वाली नीतियां और प्रथाएं बच्चों को होने वाले नुकसान को बेहतर तरीके से रोक सकती हैं।
- सशक्तिकरण का अर्थ है बच्चों को मज़बूत बनाना और अपने आप में और एक संगठन में उनका विश्वास मजबूत करना। इसमें बच्चों को सूचित निर्णयों को लेने के लिए कौशल और ज्ञान से लैस करना और उन्हें अपने जीवन पर नियंत्रण बढ़ाने में सक्षम बनाना शामिल है।[15]
- वयस्कों की तरह, सभी बच्चों के भी अधिकार होते हैं। अधिकार वे मूल पात्रताएँ होती हैं जो प्रत्येक व्यक्ति की अपनी होती हैं, चाहे कैसे भी भेदभाव हों।
- बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में सशक्त बनाने का अर्थ है कि किसी संगठन के सभी लोग, जिनमें मार्गदर्शक, कर्मचारी और स्वयंसेवक शामिल हैं:
  - हर समय बच्चों के अधिकारों को बनाए रखते और उनका सम्मान करते हैं

[15] बच्चों और युवाओं के लिए आयोग, सशक्तिकरण और भागीदारी: बच्चों और युवाओं के साथ काम करने वाले संगठनों के लिए एक मार्गदर्शिका, 2021।

- उन्हें उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं
- उनके अधिकारों का प्रयोग करने के लिए उनका समर्थन करते हैं।

- बच्चों को उन फैसलों में भाग लेने का अधिकार है जो उन्हें प्रभावित करते हैं। भागीदारी बच्चों को अपनी बात कहने और निर्णय लेने की जानकारी देने के अवसर देने के बारे में है। इसके लिए संगठनों को बच्चों की बातों के आधार पर सुनने, ध्यान देने और उचित बदलावों को करने की आवश्यकता होती है।
- बच्चों को सुदृढ़ मित्रताओं से लाभ मिलता है। वे अपने दोस्तों को उनके समर्थन, सूचना और सलाह के मुख्य स्रोत के रूप में देख सकते हैं और मदद के लिए उनके पास जा सकते हैं। बच्चों को एक साथ मिलने और समय का आनंद लेने की अनुमति दी जानी चाहिए और आपके संगठन को उनके सामाजिक संबंधों और मित्रताओं का समर्थन करना चाहिए, और बुलिंग (डराने-धमकाने) या अलग-थलग करने वाले व्यवहार को चुनौती देनी चाहिए।
- यौन शोषण रोकथाम कार्यक्रम आयु-उपयुक्त कार्यक्रम और शिक्षा होती है जो बच्चों को प्रदान की जाती है। ये कार्यक्रम वयस्कों या अन्य बच्चों के अनुचित व्यवहार को समझने, संभावित अपमानजनक स्थितियों से खुद को बचाने में मदद करने, और यह जानने में कि दुर्व्यवहार किए जाने या दुर्व्यवहार किए जाने की कोशिश किए जाने की स्थिति में मदद कैसे ली जाए, इसमें उनके ज्ञान और कौशल का निर्माण करते हैं। आपको इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या आपके संगठन के लिए इन कार्यक्रमों या ऐसी अन्य जानकारी को प्रदान करना उचित है जो बच्चों को यौन शोषण को समझने और मदद कैसे प्राप्त करनी है, इसमें सहायता करती है।
- बाल सुरक्षा, सशक्तिकरण और बच्चों के अधिकारों का सम्मान करने में आपके संगठन के सभी स्तरों पर लोगों की एक भूमिका है। कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को इस बारे में जागरूक होना चाहिए और इसका पता होना चाहिए कि बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के संकेतों का जवाब कैसे दिया जाए, और बच्चों की भागीदारी को कैसे सशक्त और प्रोत्साहित किया जाए। ऐसा करने के लिए कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को सहायता या प्रशिक्षण की आवश्यकता हो सकती है।
- बच्चों को हमेशा इस बात की आदत नहीं होती है कि उनसे उनके अनुभवों या वे क्या चाहते हैं, इसके बारे में पूछा जाए। आपके संगठन को उनको बोलने में सहज महसूस करने और ऐसा करने के अवसर प्रदान करने के लिए उनका समर्थन करने की आवश्यकता है। भागीदारी गतिविधियाँ आयु-उपयुक्त, समावेशी और सुलभ होनी चाहिए, जो व्यक्तिगत आवश्यकताओं और क्षमताओं के अनुरूप हों। यह कैसे करना है इसके बारे में और अधिक जानकारी सशक्तिकरण और भागीदारी: बच्चों और युवाओं के साथ काम करने वाले संगठनों के लिए एक मार्गदर्शिका में उपलब्ध है।

अनुपालन संकेतक

इस मानक का आकलन करते समय आयोग क्या अवलोकन करेगा?

संगठन आम तौर पर इसका अनुपालन करेंगे यदि वे इन दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करते हैं और ऐसे तरीके से इन कार्रवाइयों को करते हैं जो इस मानक को हासिल करने के लिए संगठन का समर्थन करता है।[16]

दस्तावेज़

- आयु-उपयुक्त और समझने में आसान दस्तावेज़, प्रिंट या ऑनलाइन में, आसानी से उपलब्ध हैं और बच्चों को निम्नलिखित में सहायता प्रदान करते हैं:
  - सुरक्षा, सूचना और भागीदारी सहित उनके अधिकारों को समझने में
  - यह जानने में कि संगठन में वयस्कों को कैसा व्यवहार करना चाहिए
  - संगठन की शिकायत प्रक्रिया और इस बात को समझने में कि अपने लिए, अपने दोस्तों या साथियों के लिए सुरक्षा संबंधी चिंताओं को कैसे प्रकट किया जाए
  - बच्चों के लिए लक्षित सहायता सेवाओं के बारे में जानने में। (3.1)
- संगठन की नीतियां और प्रक्रियाएँ:
  - बच्चों के सशक्तिकरण और भागीदारी को बढ़ावा देती हैं
  - बच्चों के अधिकारों के लिए समर्थन को अपनाती हैं। (3.1, 3.4, 3.5, 3.6)

कार्रवाईयाँ

- संगठन के कर्मचारी और स्वयंसेवक बच्चों के साथ जुड़कर निम्नलिखित में उनकी मदद करते हैं:
  - सुरक्षा, सूचना और भागीदारी सहित उनके अधिकारों को समझने में
  - यह जानने में कि संगठन में वयस्कों को कैसा व्यवहार करना चाहिए
  - संगठन की शिकायत प्रक्रिया और इस बात को समझने में कि अपने लिए, अपने दोस्तों या साथियों के लिए सुरक्षा संबंधी चिंताओं को कैसे प्रकट किया जाए
  - बच्चों के लिए लक्षित सहायता सेवाओं के बारे में जानने में। (3.1, 3.4)
- संगठन में उन प्रथाओं की पहचान की जाती है जो बच्चों को शक्तिहीन करती हैं और उन्हें बदलने के लिए कार्रवाई की जाती है। (3.5, 3.6)
- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को बाल दुर्व्यवहार या नुकसान के संकेतों को समझने, पहचानने और उन पर कार्रवाई करने में मदद करने के लिए जानकारी प्रदान की जाती है। (3.4)
- जहाँ प्रासंगिक हो, संगठन बच्चों को आयु-उपयुक्त और सुलभ तरीके से यौन शोषण रोकथाम कार्यक्रमों और अन्य प्रासंगिक जानकारी तक पहुंच प्रदान करता है। (3.3)

---

[16] आपके संगठन की प्रकृति या विशेषताओं का यह अर्थ हो सकता है कि आपको इस मार्गदर्शिका में प्रस्तावित चीज़ों से कुछ अलग करने की ज़रूरत है। यदि ऐसा है, तो आपको यह बताना पड़ सकता है कि आपका दृष्टिकोण परिणामों और मानकों की न्यूनतम आवश्यकताओं का अनुपालन कैसे करता है। कुछ क्षेत्रों और संगठनों के सह-नियामक हैं जिन्होंने विशिष्ट मार्गदर्शन जारी किया है। जहाँ मानकों पर सह-नियामक का मार्गदर्शन आपके संगठन पर लागू होता है, और यह इस मार्गदर्शिका से अलग है, तो आपके संगठन को उस क्षेत्र में आपके संचालनों के लिए सह-नियामक के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

- संगठन बच्चों के लिए अपने विचार व्यक्त करने और उन निर्णयों में भाग लेने के अवसर पैदा करता है जो उन्हें प्रभावित करते हैं। बच्चों से जो सुना और सीखा जाता है, वह संगठन के काम करने के तरीके को प्रभावित करता है। (3.5, 3.6)
- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का ज्ञान और कौशल विकसित करने के लिए समर्थन किया जाता है ताकि वे बच्चों को भाग लेने, अपने विचार व्यक्त करने और अपनी चिंताओं को प्रकट करने में मदद कर सकें। (3.4)
- संगठन बच्चों को उनके साथियों के साथ सामाजिक संबंध और मित्रताएँ विकसित करने में सहायता करता है और बच्चों में कौशल का निर्माण करता है ताकि वे अपने साथियों का समर्थन कर सकें और बच्चों के बीच बुलिंग (डराने-धमकाने) या अलग-थलग करने वाले व्यवहार को चुनौती दे सकें। (3.2)

मानक 4: बाल सुरक्षा और भलाई को बढ़ावा देने के लिए परिवारों और समुदायों को सूचित और शामिल किया जाता है

बाल सुरक्षा मानक 4 के अनुपालन में एक संगठन को कम से कम यह सुनिश्चित करना होगा कि:

4.1 परिवार अपनी संतान को प्रभावित करने वाले फैसलों में भाग लेते हैं।

4.2 संगठन बच्चों की सुरक्षा से जुड़े अपने दृष्टिकोण के बारे में परिवारों और समुदाय के साथ जुड़ता है तथा खुलकर संवाद करता है और प्रासंगिक जानकारी सुलभ है।

4.3 संगठन की नीतियों और प्रथाओं के विकास और समीक्षा में परिवारों और समुदायों की भूमिका होती है।

4.4 परिवारों, देखभालकर्ताओं और समुदाय को संगठन के संचालन और शासन के बारे में सूचित किया जाता है।

मुख्य विषय

- परिवार कई तरह के रिश्तों से बने हो सकते हैं, जिनमें खून के रिश्ते, वैवाहिक, गोद लेने से जुड़े रिश्ते, रिश्तेदारी से जुड़ी संरचनाएँ या अन्य विस्तारित पारिवारिक संरचनाएँ शामिल हैं। परिवारों में वे लोग भी शामिल हो सकते हैं जो जीवन जीने के दैनिक कार्यों में हिस्सा लेते हैं या जिनका बहुत करीबी, व्यक्तिगत संबंध होता है।
- समुदाय ऐसे लोगों का एक समूह है जो समान रुचियों, अनुभवों, सामाजिक पृष्ठभूमि, राष्ट्रीयता, संस्कृति, विश्वासों या पहचान को साझा करते हैं।[17] संगठनों, परिवारों और बच्चों के ऐसे समुदाय हो सकते हैं जिनसे वे निकटता से जुड़े होते हैं या जिनके साथ वे अक्सर जुड़ते हैं। परिवारों की तरह ही, समुदाय भी विविध हैं।
- माता-पिता, देखभालकर्ताओं और परिवारों को आपके संगठन में ऐसा महसूस करना चाहिए कि उनका वहाँ स्वागत किया जाता है।[18] एक ऐसी समावेशी संस्कृति का निर्माण और रखरखाव करना, जो विभिन्न प्रकार के परिवारों का सम्मान करती है, बच्चों को सुरक्षित महसूस करने और सुरक्षित रहने में सहायता करती है।
- अपने संगठन की बाल सुरक्षा और भलाई यात्रा में हिस्सा लेने के लिए परिवारों और समुदायों को सशक्त बनाना बच्चों के लिए लाभप्रद होता है। इसका अर्थ है कि:
  - माता-पिता, देखभालकर्ता और समुदाय सीखेंगे कि संगठनों को बाल सुरक्षित बनने में किस चीज़ से मदद मिलती है और वे बच्चों को सुरक्षित रखने में कैसे मदद कर सकते हैं
  - संगठन उन परिवारों की अंतर्दृष्टि के लाभ से अलग-अलग बच्चों की बेहतर सहायता कर सकते हैं, जो अपने बच्चों को सबसे अच्छी तरह से जानते हैं

---

[17] कैम्ब्रिज डिक्शनरी की परिभाषा से अनुकूलित।

[18] ऐसे समय हो सकते हैं जब परिवार के कुछ सदस्यों के साथ जुड़ना उचित नहीं होता है, उदाहरण के लिए, यदि किसी बच्चे के साथ उनके संपर्क पर प्रतिबंध हैं या, कुछ निश्चित स्थितियों में, यदि बच्चा बाल संरक्षण (चाइल्ड प्रोटेक्शन) में शामिल है। इन उदाहरणों में, व्यापक परिवार और समुदाय को शामिल करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए या, यदि उपयुक्त हो, तो बच्चे से पूछा जाना चाहिए कि वे किसका शामिल होना पसंद करेंगे।

  - माता-पिता, देखभालकर्ता और समुदाय सशक्त महसूस करेंगे और यह जानते होंगे कि उस स्थिति में क्या करना है यदि वे किसी बच्चे की सुरक्षा या भलाई के बारे में चिंतित हों
  - आपके संगठन के बाल सुरक्षा दृष्टिकोण में सुधार होना जारी रहेगा।
- परिवारों के निर्णयों में भाग लेने का अर्थ है कि निर्णय लेने से पहले उनसे उनकी राय पूछी जाती है, और इस राय को निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा माना जाता है। आपके संगठन को परिवारों को उन फैसलों के बारे में अपनी बात कहने का मौका देना चाहिए जो उनके बच्चे की सुरक्षा और भलाई को प्रभावित कर सकते हैं।
- परिवारों, देखभालकर्ताओं और समुदाय को आपके संगठन के संचालन और शासन के बारे में सूचित किया जाना चाहिए ताकि वे सार्थक रूप से भाग ले सकें। परिवारों को यह समझने की ज़रूरत है कि आपका संगठन क्या करता है और यह कैसे संरचित है। उन्हें यह जानना होगा कि बच्चों की सुरक्षा या भलाई की चिंता होने पर संगठन के सही लोगों से कैसे संपर्क किया जाए।

अनुपालन संकेतक

इस मानक का आकलन करते समय आयोग क्या अवलोकन करेगा?

संगठन आम तौर पर इसका अनुपालन करेंगे यदि वे इन दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करते हैं और ऐसे तरीके से इन कार्रवाइयों को करते हैं जो इस मानक को हासिल करने के लिए संगठन का समर्थन करता है।[19]

दस्तावेज़

- संगठन की नीतियां परिवार और समुदाय की भागीदारी के महत्व को दर्शाती हैं और उन तरीकों का वर्णन करती हैं जिनमें यह भागीदारी हो सकती है। (4.3)
- शिकायत से निपटने की नीतियों में गोपनीयता और निजता से संबंधित दायित्वों का अनुपालन करते हुए परिवारों को सूचित रखने और ऐसा करने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करने की प्रक्रियाएं शामिल हैं। (4.2 और 7.2 के लिंक)

कार्रवाईयाँ

- संगठन अपने यहाँ बाल सुरक्षा और भलाई में परिवारों और समुदायों की भूमिका के बारे में संवाद करके बाल सुरक्षा और भलाई को बढ़ावा देने और बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए परिवारों और समुदायों का समर्थन करता है। (4.4 और समग्र परिणाम)
- संगठन निम्नलिखित के द्वारा परिवारों और समुदायों के लिए खुला और पारदर्शी है:
  - संगठन की बाल सुरक्षा और भलाई नीतियों और प्रथाओं के बारे में सुलभ जानकारी प्रदान करके (4.2 और 4.4)

---

[19] आपके संगठन की प्रकृति या विशेषताओं का यह अर्थ हो सकता है कि आपको इस मार्गदर्शिका में प्रस्तावित चीज़ों से कुछ अलग करने की ज़रूरत है। यदि ऐसा है, तो आपको यह बताना पड़ सकता है कि आपका दृष्टिकोण परिणामों और मानकों की न्यूनतम आवश्यकताओं का अनुपालन कैसे करता है। कुछ क्षेत्रों और संगठनों के सह-नियामक हैं जिन्होंने विशिष्ट मार्गदर्शन जारी किया है। जहाँ मानकों पर सह-नियामक का मार्गदर्शन आपके संगठन पर लागू होता है, और यह इस मार्गदर्शिका से अलग है, तो आपके संगठन को उस क्षेत्र में आपके संचालनों के लिए सह-नियामक के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

  - संगठन के शासन और संचालनों के बारे में, शिकायतों को कैसे नियंत्रित किया जाता है इस बारे में और संगठन अनुशासनात्मक कार्रवाइयों और बाल सुरक्षा जोखिमों का प्रबंधन कैसे करता है इस बारे में जानकारी प्रदान करके। (4.4)
- परिवारों को संगठन द्वारा किए गए निर्णयों में भाग लेने का अवसर मिलता है जो उनके बच्चे की सुरक्षा और भलाई को प्रभावित करते हैं। परिवारों के साथ संचार, भाग लेने के लिए परिवारों की पूर्ण विविधता का समर्थन करता है। (4.1)
- परिवारों और समुदाय के सदस्यों के लिए संगठन की नीतियों, प्रक्रियाओं और प्रथाओं पर प्रतिक्रिया देने के अवसरों का निर्माण किया जाता है, जिसमें बाल सुरक्षा और भलाई के लिए संगठन का दृष्टिकोण भी शामिल है। (4.3)
- संगठन परिवारों और समुदायों की प्रतिक्रिया और भागीदारी को गंभीरता से लेता है और उनके विचारों को ध्यान में रखता है। (4.3 और 7.3 के लिंक)

मानक 5: नीति और व्यवहार में समानता को बरकरार रखा जाता है और विविध आवश्यकताओं का सम्मान किया जाता है

बाल सुरक्षा मानक 5 के अनुपालन में एक संगठन को कम से कम यह सुनिश्चित करना होगा कि:

5.1 संगठन, जिसमें कर्मचारी और स्वयंसेवक शामिल हैं, बच्चों और युवाओं की विविध परिस्थितियों को समझता है, और अतिसंवेदनशील बच्चों और युवाओं को सहायता प्रदान करता है और प्रतिक्रिया देता है।

5.2 बच्चों और युवाओं के पास सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित, सुलभ और समझने में आसान तरीकों से जानकारी, सहायता और शिकायत प्रक्रियाओं तक पहुंच है।

5.3 संगठन विकलांगता ग्रस्त बच्चों और युवाओं, सांस्कृतिक और भाषाई रूप से विविध पृष्ठभूमि के बच्चों और युवाओं, जो घर पर रहने में असमर्थ हैं, और लेस्बियन, गे, बाइसैक्सुअल, ट्रांसजेंडर और इंटरसेक्स बच्चों और युवाओं की जरूरतों पर विशेष ध्यान देता है।

5.4 संगठन आदिवासी (एबोरिजनल) बच्चों और युवाओं की जरूरतों पर विशेष ध्यान देता है और उनके लिए सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है/इसे बढ़ावा देता है।

मुख्य विषय

- बच्चों में अद्वितीय क्षमताएं, विशेषताएं, कौशल और जीवन के अनुभव होते हैं। पृष्ठभूमि, व्यक्तित्व और विश्वासों में अंतर यह बताता है कि बच्चा दुनिया का अनुभव कैसे करता है और उसे किस चीज़ की आवश्यकता होती है।
- जब विविधता को महत्व दिया जाता है और उसका सम्मान किया जाता है तो संगठन और समुदाय अधिक मजबूत होते हैं क्योंकि बच्चे अपनी क्षमता को पूरा करने के अवसरों तक पहुँच सकते हैं।
- बहिष्करण और भेदभाव जैसे नकारात्मक अनुभव हानिकारक हो सकते हैं, बच्चे के लिए नुकसान और दुर्व्यवहार के जोखिम को बढ़ा सकते हैं और यदि बच्चे को कोई चिंता हो तो उसके आवाज़ उठाने की संभावना को कम कर सकते हैं।
- समानता निष्पक्षता की वह स्थिति है जिसमें सभी बच्चे अपनी पृष्ठभूमि, विशेषताओं या विश्वासों की परवाह किए बिना, जीवन के सभी क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से और समान रूप से भाग ले सकते हैं। बाल सुरक्षा संगठनों में इसका अर्थ है कि किसी बच्चे की सुरक्षा उनकी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती है, जिसमें उनकी सामाजिक या आर्थिक स्थिति, उनकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि या उनकी क्षमताएं शामिल हैं।
- बाल सुरक्षा संगठन विविधता की पहचान करता और उसका सम्मान करता है और यह समझता है कि कुछ बच्चे दूसरों की तुलना में दुर्व्यवहार के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इसमें ऐसी नीतियां और प्रथाएं हैं जो यह सुनिश्चित करती हैं कि बच्चों के पास अपने साथियों की तरह सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक रिश्तों, कौशल, ज्ञान और संसाधनों तक पहुंच है।

- उपलब्ध समर्थनों और शिकायत प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी सहित जानकारी प्रदान करना, जो सुलभ, सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित और समझने में आसान है, उसमें यह समझना शामिल है कि बच्चों की संचार ज़रूरतें उनकी व्यक्तिगत क्षमताओं और विकास के चरण के आधार पर कैसे भिन्न होती हैं।
- आपके संगठन की शिकायत प्रक्रिया तक किसी बच्चे की पहुंच उसकी पृष्ठभूमि, विशेषताओं या जीवन के अनुभव के कारण सीमित नहीं होनी चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि सभी बच्चे शिकायत करने या चिंता व्यक्त करने में सक्षम हों।
- संगठनों को बच्चों की विविध परिस्थितियों के साथ-साथ उचित व्यवहार किए जाने के उनके अधिकार को समझना होगा। इसमें निम्नलिखित की जरूरतों पर ध्यान देना शामिल है:
  - विकलांग बच्चे - बाल सुरक्षा संगठन विकलांग बच्चों को सशक्त बनाता है। यह किसी बच्चे की क्षमताओं के बारे में रूढ़िवादी धारणा या पूर्वधारणाएँ नहीं बनाता है, बल्कि यह पहचान करता है कि हर बच्चा अलग-अलग है और विकलांगता और दुनिया को अलग-अलग तरह से अनुभव करता है।
  - सांस्कृतिक और भाषाई रूप से विविध पृष्ठभूमि के बच्चे — बाल सुरक्षित संगठन भाषा और सांस्कृतिक जरूरतों को समझने के लिए कदम उठाता है और विविध पारिवारिक संरचनाओं और मानदंडों को ध्यान में रखता है।
  - जो लोग घर पर नहीं रह पाते हैं - ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से हो सकता है कि बच्चे घर पर न रह पाएँ। उनके रहने की व्यवस्थाएँ अलग-अलग हो सकती हैं, जिसमें औपचारिक या अनौपचारिक रूप से रिश्तेदारों या दोस्तों के साथ रहना (रिश्तेदारी देखभाल), फोस्टर केयर या रेज़ीडेन्शियल केयर (आवासीय देखभाल) शामिल है। हो सकता है कि आपको किसी बच्चे के रहने की व्यवस्थाओं के बारे में पता न हो, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि अपने संगठन को सभी बच्चों के लिए सुरक्षित और स्वागत योग्य बनाया जाए, चाहे उनकी परिस्थितियाँ कैसी भी हों।
  - लेस्बियन, गे, बाइसेक्शुअल, ट्रांसजेंडर, इंटरसेक्स, क्वीर, लैंगिक रूप से विविध और नॉन-बाइनरी बच्चे और युवा लोग - बच्चे और युवा लोग अलग-अलग तरीकों से अपने लिंग, कामुकता और जेंडर का अनुभव कर सकते हैं और इसे व्यक्त कर सकते हैं। LGBTIQ बच्चों और युवाओं को सुरक्षित महसूस करने और आपके संगठन में सुरक्षित रहने के लिए, आपको सक्रिय रूप से यह दर्शाना चाहिए कि आप उनका स्वागत करते/ती हैं और उन्हें महत्व देते/ती हैं और आपको यह स्पष्ट करना चाहिए कि आप उन्हें दुर्व्यवहार और नुकसान से बचाने के लिए कदम उठाएंगे/गी।
  - एबोरिजनल (आदिवासी) बच्चे - संगठनों को बच्चों के इस अधिकार को बनाए रखना होगा कि वे अपनी संस्कृति और समुदाय से जुड़ाव का आनंद लें और इसे महसूस करें, नस्लवाद से होने वाले नुकसान से सुरक्षित रहें और उनके पास सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित सेवाओं और संगठनों तक पहुंच हो। बाल सुरक्षा संगठन का निर्माण करने के लिए एक मार्गदर्शिका में एबोरिजनल बच्चों के लिए सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित वातावरण स्थापित करने के बारे में अधिक विस्तृत जानकारी दी गई है।

अनुपालन संकेतक

इस मानक का आकलन करते समय आयोग क्या अवलोकन करेगा?

संगठन आम तौर पर इसका अनुपालन करेंगे यदि वे इन दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करते हैं और ऐसे तरीके से इन कार्रवाइयों को करते हैं जो इस मानक को हासिल करने के लिए संगठन का समर्थन करता है।[20]

दस्तावेज़

- बच्चों के लिए सामग्रियाँ, जिसमें शिकायत प्रक्रियाओं और समर्थनों के बारे में जानकारी शामिल है, सुलभ हैं, आयु-उपयुक्त हैं और आवश्यकतानुसार कई भाषाओं और प्रारूपों में उपलब्ध हैं। केवल लिखित दस्तावेज़ों पर भरोसा नहीं किया जाता है, खासकर उन बच्चों के लिए जो नेत्रहीन हैं या जिनकी नज़र कमज़ोर है, या जो बच्चे पढ़ नहीं सकते हैं। (5.2)
- बाल सुरक्षा और कल्याण नीति निम्नलिखित का वर्णन करती है:
  - निष्पक्षता और समावेशन के लिए संगठन की प्रतिबद्धता का (5.1)
  - संगठन सभी बच्चों की विविध आवश्यकताओं की पहचान कैसे करेगा और उनका सम्मान कैसे करेगा (5.1)
  - संगठन बच्चों या उनके परिवारों को उनकी व्यक्तिगत जरूरतों की पहचान करने के लिए माध्यम कैसे प्रदान करता है (5.1)
  - संगठन बच्चों को सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित, सुलभ और समझने में आसान तरीके से जानकारी, सहायता और शिकायत प्रक्रियाओं तक पहुंच कैसे प्रदान करेगा (5.2)
  - संगठन निष्पक्षता का समर्थन कैसे करेगा और सभी बच्चों की भागीदारी का समर्थन करने और सभी बच्चों की जरूरतों का जवाब देने के लिए उचित बदलाव कैसे करेगा (5.1, 5.3, 5.4)
  - संगठन सभी बच्चों के लिए निष्पक्षता कैसे बनाए रखता है और विकलांगता, नस्ल, जातीयता, धर्म, लिंग, इंटरसेक्स स्टेटस, लैंगिक पहचान या यौन अभिविन्यास के आधार पर भेदभाव से होने वाले बाल दुर्व्यवहार और नुकसान को कैसे रोकता है। (5.1, 5.3, 5.4)

कार्रवाईयाँ

- संगठन उन बच्चों की विविध परिस्थितियों और जरूरतों को समझने के लिए कदम उठाता है, जो इससे जुड़ते हैं या जुड़ सकते हैं। (5.1, 5.3)
- कर्मचारी और स्वयंसेवक:
  - इन्हें बच्चों की विविध परिस्थितियों के बारे में, इस बारे में कि उन कारकों की पहचान कैसे करनी है जो नुकसान के प्रति बच्चे की संवेदनशीलता को बढ़ा सकते हैं, और इस बारे में कि सभी बच्चों के लिए निष्पक्षता और सुरक्षा को कैसे बढ़ावा दिया जाए, जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है

[20] आपके संगठन की प्रकृति या विशेषताओं का यह अर्थ हो सकता है कि आपको इस मार्गदर्शिका में प्रस्तावित चीज़ों से कुछ अलग करने की ज़रूरत है। यदि ऐसा है, तो आपको यह बताना पड़ सकता है कि आपका दृष्टिकोण परिणामों और मानकों की न्यूनतम आवश्यकताओं का अनुपालन कैसे करता है। कुछ क्षेत्रों और संगठनों के सह-नियामक हैं जिन्होंने विशिष्ट मार्गदर्शन जारी किया है। जहाँ मानकों पर सह-नियामक का मार्गदर्शन आपके संगठन पर लागू होता है, और यह इस मार्गदर्शिका से अलग है, तो आपके संगठन को उस क्षेत्र में आपके संचालनों के लिए सह-नियामक के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

- – अतिसंवेदनशीलता का अनुभव कर रहे बच्चों का समर्थन करने और इसपर प्रतिक्रिया करने के लिए कार्रवाई करते हैं, इसमें पूछताछ करना तथा अधिक अतिसंवेदनशीलता के संकेतों की स्थितियों में प्रतिक्रिया करना शामिल है
  - – सभी बच्चों के लिए निष्पक्षता बनाए रखने, बच्चों की सुरक्षा को बढ़ावा देने और बाल दुर्व्यवहार और नुकसान को रोकने के लिए कार्रवाई करते हैं। (5.1, 5.3, 5.4)

- मार्गदर्शक विविधता के लिए निष्पक्षता और सम्मान हासिल करने के संबंध में स्पष्ट उम्मीदें तय करते हैं। (5.1 और 2.2 के लिंक)
- संगठन यह सुनिश्चित करता है कि सभी बच्चों को भाग लेने के लिए यथोचित समर्थन दिया जाता है। (5.1)

मानक 6: बच्चों और युवाओं के साथ काम करने वाले लोग बाल सुरक्षा और भलाई से जुड़ी मान्यताओं को अभ्यास में दर्शाने के लिए उपयुक्त हैं और इसमें उनका समर्थन किया जाता है

बाल सुरक्षा मानक 6 के अनुपालन में एक संगठन को कम से कम यह सुनिश्चित करना होगा कि:

6.1 भर्ती, जिसमें विज्ञापन, रेफरी चेक और कर्मचारी और स्वयंसेवी पूर्व-रोजगार जाँच शामिल हैं, बाल सुरक्षा और भलाई पर जोर देती है।

6.2 प्रासंगिक कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के पास वर्तमान में वर्किंग विद चिल्ड्रन चेक (बच्चों के साथ काम करने की जांच का प्रमाण) या इसके समान पृष्ठभूमि जांच प्रमाण उपलब्ध हैं।

6.3 सभी कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को उचित इंडक्शन दिया जाता है और वे बच्चों और युवाओं के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से अवगत हैं, जिसमें रिकॉर्ड रखना, जानकारी साझा करना और रिपोर्टिंग से जुड़े दायित्व शामिल हैं।

6.4 निरंतर पर्यवेक्षण और लोगों का प्रबंधन बाल सुरक्षा और भलाई पर केंद्रित है।

मुख्य विषय

- बच्चों को होने वाले नुकसान को रोकने में अच्छी भर्ती प्रथाएं और सुदृढ़ स्क्रीनिंग (जाँच) प्रक्रियाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- भर्ती की शुरूआत संगठनों द्वारा प्रत्येक कर्मचारी और स्वयंसेवक पद की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में और बच्चों के साथ उनके संपर्क के प्रकार के बारे में स्पष्ट होने के साथ होती है। यह संगठनों को आवेदकों के पास आवश्यक रूप से होने वाली योग्यताओं, अनुभव और विशेषताओं की पहचान करने में मदद करता है।
- नौकरी के विज्ञापनों में बाल सुरक्षा और भलाई के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए।
- वर्किंग विद चिल्ड्रेन चेक का उद्देश्य उस स्थिति में लोगों को बच्चों के साथ काम करने या स्वयंसेवा करने से रोकना है यदि उनके रिकॉर्ड का आकलन यह दर्शाता है कि वे बच्चों के लिए अनुचित जोखिम पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों के लिए कानूनन यह आवश्यक होता है कि उनके पास वैध जांच हो। संगठन भी लोगों के लिए स्क्रीनिंग (जांच) प्रक्रिया के भाग के तौर पर एक वैध जांच का होना आवश्यक बनाना चुन सकते हैं, भले ही कानूनन ऐसा ज़रूरी न हो।
- Working with Children Check (वर्किंग विद चिल्ड्रन चेक) आपके संगठन में बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए एक उपयोगी टूल है। हालांकि, यह किसी विशेष भूमिका में बच्चों के साथ काम करने या उनकी देखभाल करने के लिए किसी व्यक्ति की उपयुक्तता का आकलन नहीं करता है। किसी आवेदक की उपयुक्तता का आकलन करने में मदद करने के लिए उसकी मान्यताओं को समझने की कोशिश करें।

- संदर्भों (रेफरेन्सिस) को ठीक से जांचने में विफल रहने से बाल सुरक्षा से समझौता हो सकता है। संदर्भों की जाँच करने से आप आवेदक की जानकारी की पुष्टि करने में सक्षम होते/ती हैं और साक्षात्कार में उनके जवाबों को लेकर यदि आपकी कोई चिंताएँ हैं तो उनकी खोजबीन कर सकते/ती हैं।
- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को उनकी भूमिकाओं और संगठन में उचित रूप से इंडक्ट (भर्ती) किया जाना होगा, ताकि वे बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और यह समझ सकें कि उनके लिए एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण कैसे करना है। इसमें आपके संगठन की बाल सुरक्षा और कल्याण नीति और आचार संहिता का अवलोकन प्रदान करना शामिल होना आवश्यक है।
- इंडक्शन (भर्तियों) में आपके संगठन की शिकायत प्रबंधन नीति, रिपोर्टिंग, रिकॉर्ड रखने और जानकारी साझा करने के दायित्वों के बारे में जानकारी का शामिल किया जाना भी आवश्यक है। कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को इस बारे में स्पष्ट जानकारी प्राप्त करनी चाहिए कि अगर उन्हें बाल सुरक्षा या भलाई की चिंता है तो उन्हें क्या करना चाहिए।
- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का पर्यवेक्षण (सुपरविज़न) बाल सुरक्षा और भलाई को बढ़ावा देता है, जिसमें स्पष्ट प्रदर्शन मानकों और प्रबंधकों और व्यक्तिगत कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के बीच मुद्दों पर चर्चा करने और चिंताओं को प्रकट करने के लिए नियमित बैठकें शामिल हैं। नियमित पर्यवेक्षण (सुपरविज़न) प्रबंधकों को प्रतिक्रिया देने और बच्चों को नुकसान पहुंचने से पहले कर्मचारियों और स्वयंसेवकों द्वारा किसी भी असुरक्षित या चिंताजनक आचरण को संबोधित करने में सक्षम बनाता है।

अनुपालन संकेतक

इस मानक का आकलन करते समय आयोग क्या अवलोकन करेगा?

संगठन आम तौर पर इसका अनुपालन करेंगे यदि वे इन दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करते हैं और ऐसे तरीके से इन कार्रवाइयों को करते हैं जो इस मानक को हासिल करने के लिए संगठन का समर्थन करता है।[21]

दस्तावेज़

- रोजगार विज्ञापन में बाल सुरक्षा और भलाई के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता शामिल है। (6.1)
- पोज़ीशन डिस्क्रिप्शन (पद के विवरण) बाल सुरक्षा और भलाई के संबंध में भूमिका की आवश्यकताओं, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में स्पष्ट अपेक्षाएं निर्धारित करते हैं। (6.1)
- संगठनात्मक भर्ती, मानव संसाधन और स्वयंसेवा नीतियां निम्नलिखित का वर्णन करती हैं:
  - भर्ती प्रथाएं जो बच्चों के साथ काम करने के लिए उपयुक्त लोगों को नियुक्त करने के लिए संगठन का समर्थन करती हैं (6.1)
  - रोजगार से पहले की स्क्रीनिंग (जांच) प्रथाएं जिनमें साक्षात्कार करना, रेफरी चेक, वर्किंग विद चिल्ड्रन चेक और अन्य पंजीकरण या पृष्ठभूमि संबंधी जांच करना शामिल है (6.2)

---

[21] आपके संगठन की प्रकृति या विशेषताओं का यह अर्थ हो सकता है कि आपको इस मार्गदर्शिका में प्रस्तावित चीज़ों से कुछ अलग करने की ज़रूरत है। यदि ऐसा है, तो आपको यह बताना पड़ सकता है कि आपका दृष्टिकोण परिणामों और मानकों की न्यूनतम आवश्यकताओं का अनुपालन कैसे करता है। कुछ क्षेत्रों और संगठनों के सह-नियामक हैं जिन्होंने विशिष्ट मार्गदर्शन जारी किया है। जहाँ मानकों पर सह-नियामक का मार्गदर्शन आपके संगठन पर लागू होता है, और यह इस मार्गदर्शिका से अलग है, तो आपके संगठन को उस क्षेत्र में आपके संचालनों के लिए सह-नियामक के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

- संगठन की बाल सुरक्षा प्रथाओं के बारे में इंडक्शन से जुड़ी आवश्यकताएं (6.3)
  - पर्यवेक्षण और लोगों के प्रबंधन से जुड़े अभ्यास बच्चों के साथ काम करने के लिए किसी व्यक्ति की उपयुक्तता के निरंतर आकलन का समर्थन कैसे करेंगे। (6.4)
- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के लिए इंडक्शन से जुड़े दस्तावेजों में निम्नलिखित दस्तावेज़ शामिल हैं:
  - आचार संहिता
  - बाल सुरक्षा और कल्याण नीति
  - संगठन की बाल सुरक्षा प्रथाओं और शिकायत प्रक्रिया के साथ-साथ रिपोर्टिंग, रिकॉर्ड रखने और जानकारी साझा करने के दायित्वों के बारे में जानकारी। (6.3 और 8.1 के लिंक)

कार्रवाईयाँ

- नए कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की भर्ती से पहले प्रत्येक भूमिका की बाल सुरक्षा और भलाई की आवश्यकताओं का आकलन किया जाता है। इनमें शामिल हैं:
  - आवश्यक योग्यताएँ, अनुभव और विशेषताएँ
  - बच्चों के साथ कर्तव्य और जिम्मेदारियां
  - स्क्रीनिंग (जांच), ट्रेनिंग (प्रशिक्षण) और सुपरविज़न (पर्यवेक्षण) संबंधी आवश्यकताओं सहित किसी भी बाल दुर्व्यवहार या नुकसान के जोखिमों के प्रबंधन के लिए आवश्यक उपाय। (6.1)
- भर्ती प्रक्रिया में बाल सुरक्षा को प्राथमिकता देने के तरीके के बारे में भर्ती करने वाले कर्मचारियों को जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है, इसमें आवेदन, साक्षात्कार और स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से उठाई गई किन्हीं भी बाल सुरक्षा संबंधी चिंताओं को कैसे पहचाना और प्रबंधित किया जाए, यह शामिल है। (6.1)
- भर्ती प्रक्रियाओं में शामिल हैं:
  - बच्चों के साथ काम करने के लिए उपयुक्तता स्थापित करने हेतु मान्यताएँ-आधारित साक्षात्कार प्रश्नों की एक श्रृंखला
  - रोज़गार से पहले की स्क्रीनिंग प्रथाएं जिनमें रेफरी चेक, वर्किंग विद चिल्ड्रन चेक और अन्य पंजीकरण या पृष्ठभूमि संबंधी जांच शामिल है
  - यह सत्यापन कि आवश्यक योग्यताएं, पंजीकरण और वर्किंग विद चिल्ड्रन चेक वैध और अप-टु-डेट हैं
  - भर्ती प्रक्रिया का रिकॉर्ड रखना। (6.1)
- पर्यवेक्षण और लोगों के प्रबंधन में यह जांच करने के लिए नियमित समीक्षाएं शामिल हैं कि क्या कर्मचारी आचार संहिता और अन्य बाल सुरक्षित नीतियों का पालन कर रहे हैं या नहीं। (6.4)
- लोगों का प्रबंधन करने वाले प्रबंधकों के लिए उन कर्मचारियों या स्वयंसेवकों का प्रबंधन करते समय उस स्थिति में उठाए जाने वाले कदमों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है, जिनके व्यवहार से बाल सुरक्षा संबंधी चिंताएं उत्पन्न होती हैं। (6.4)
- योग्यताओं, वर्किंग विद चिल्ड्रन चेक और अन्य पंजीकरण या निरंतर स्क्रीनिंग जांच की नियमित रूप से परिवर्तनों के लिए और यह देखने के लिए समीक्षा की जाती है कि वे अभी भी मान्य हैं। जब किसी

व्यक्ति की योग्यताएँ, वर्किंग विद चिल्ड्रन चेक या अन्य पंजीकरण या निरंतर स्क्रीनिंग जांच अब मान्य नहीं रह जाती है, तो बच्चों के लिए जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए कार्रवाई की जाती है। (6.2)

- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को बाल सुरक्षा और भलाई के संबंध में प्रत्येक भूमिका की आवश्यकताओं, कर्तव्यों, जोखिमों और जिम्मेदारियों के लिए समायोजित इंडक्शन मिलता है। इंडक्शन में संगठन की बाल सुरक्षा प्रथाओं और शिकायत प्रक्रिया के साथ-साथ रिपोर्टिंग, रिकॉर्ड रखने और जानकारी साझा करने के दायित्वों को शामिल किया जाता है। (6.3)

मानक 7: शिकायतों और चिंताओं के लिए प्रक्रियाएँ बाल-केंद्रित हैं

बाल सुरक्षा मानक 7 के अनुपालन में एक संगठन को कम से कम यह सुनिश्चित करना होगा:

7.1 संगठन के पास एक सुलभ, बाल-केंद्रित शिकायत प्रबंधन नीति है जो नेतृत्व-वर्ग, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों, विभिन्न प्रकार की शिकायतों से निपटने के दृष्टिकोणों, प्रासंगिक नीतियों या आचार संहिता के उल्लंघन और कार्रवाई करने तथा रिपोर्ट करने के दायित्वों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है।

7.2 प्रभावी शिकायत प्रबंधन प्रक्रियाएँ बच्चों और युवाओं, परिवारों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों द्वारा समझी जाती हैं और सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित होती हैं।

7.3 शिकायतों को गंभीरता से लिया जाता है और इनपर तुरंत और पूरी तरह से जवाब दिया जाता है।

7.4 संगठन के पास ऐसी नीतियां और प्रक्रियाएं हैं जो कानून प्रवर्तन के साथ सहयोग करती हैं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों और चिंताओं की रिपोर्टिंग करने को संबोधित करती हैं, चाहे कानून रिपोर्टिंग किए जाने को आवश्यक बनाता हो या नहीं।

7.5 रिपोर्टिंग, गोपनीयता और रोजगार कानून के दायित्वों को पूरा किया जाता है।

मुख्य विषय

- बाल-केंद्रित शिकायत निपटान प्रक्रिया संगठनों के लिए एक सकारात्मक शिकायत संस्कृति का होना आवश्यक बनाती है। इसका अर्थ है कि आपका संगठन चिंताओं की रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करता है और उसका स्वागत करता है, शिकायतों का तुरंत, पूरी तरह से और निष्पक्ष रूप से जवाब देता है, और जोखिम वाले बच्चों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करता है।
- आपके संगठन की शिकायत से निपटने की नीति में वयस्कों के साथ-साथ बच्चों के लिए भी शिकायत करने या बाल सुरक्षा संबंधी चिंता को प्रकट करने की प्रक्रिया को दर्शाया जाना चाहिए। वयस्कों और बच्चों के लिए शिकायत प्रक्रिया अलग-अलग हो सकती है।
- शिकायत से निपटने की नीति में वयस्कों और अन्य बच्चों द्वारा बच्चों के कथित दुर्व्यवहार और नुकसान को शामिल किया जाना चाहिए।
- शिकायत से निपटने की नीति में विभिन्न प्रकार की उन शिकायतों या चिंताजनक व्यवहार को दर्शाया जाना चाहिए जिनकी रिपोर्ट की जानी चाहिए और इस नीति में स्पष्ट रूप से यह मार्गदर्शन किया जाना चाहिए कि क्या रिपोर्ट किया जाना चाहिए, इसमें अनिवार्य रिपोर्टिंग दायित्व भी शामिल हैं। यह स्पष्ट होना चाहिए कि रिपोर्ट किसको की जा सकती है।
- यह आवश्यक है कि आपके संगठन की शिकायत से निपटने की नीति और प्रक्रियाएँ कर्मचारियों और स्वयंसेवकों, बच्चों और उनके परिवारों के लिए आसानी से सुलभ हों। आप एक ऐसी स्टैंड-अलोन पॉलिसी या प्रक्रिया तैयार करना चुन सकते/ती हैं, जो बच्चों के लिए लिखी गई हो और उनके लिए सुलभ हो। यह एक सामान्य फ़्लोचार्ट या पोस्टर हो सकता है जो बच्चों को इस बारे में स्पष्ट जानकारी प्रदान करता है कि यदि उनके पास कोई शिकायत या चिंता है तो वे क्या कर सकते हैं। आप परिवारों के लिए अलग से जानकारी का निर्माण करने का विकल्प भी चुन सकते/ती हैं।

- शिकायत और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को प्रकट करने वाले या दुर्व्यवहार का खुलासा करने वाले बच्चों के साथ संवेदनशीलतापूर्ण व्यवहार किया जाना चाहिए और उन्हें सहायता प्रदान की जानी चाहिए। कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध होना चाहिए ताकि वे जान सकें कि यह कैसे करना है।
- शिकायत या सुरक्षा संबंधी चिंता प्रकट किए जाने के बाद बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए कार्रवाई करना संगठन का फोकस (उद्देश्य) होना चाहिए। किन्हीं भी तात्कालिक जोखिमों का आकलन करना महत्वपूर्ण है ताकि ये आपके संगठन द्वारा उठाए जाने वाले अगले कदमों का मार्गदर्शन कर सकें।
- यह आवश्यक है कि आपकी शिकायत से निपटने की नीति आपके संगठन के भीतर अंदरूनी तौर पर और बाहरी प्राधिकारी-वर्गों, दोनों को खुलासों, शिकायतों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को संबोधित करे।
- आपकी शिकायत से निपटने की नीति को शिकायतों की जांच करने के लिए आपके संगठन का समर्थन करना चाहिए और इसमें निरंतर जोखिम प्रबंधन, निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रियाएं और हित के टकरावों को प्रबंधित करने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन शामिल होना चाहिए।
- यह आवश्यक है कि आपका संगठन विक्टोरिया पुलिस, चाइल्ड प्रोटेक्शन (बाल संरक्षण), आयोग और अन्य प्राधिकारी-वर्गों के साथ सहयोग करे जिनकी शिकायतों और चिंताओं का जवाब देने की भूमिका है ताकि बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा सके। उन्हें जांच करने की आवश्यकता हो सकती है और उन्हें गवाहों की पहचान करने और उनसे संपर्क करने और सबूत इकट्ठा करने या उन्हें बनाए रखने के लिए आपके संगठन के समर्थन और सहायता से लाभ मिलेगा।
- किसी शिकायत या सुरक्षा संबंधी चिंता को हल करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा स्पष्ट परिणाम का होना है। इसका अर्थ यह है कि आपका संगठन समस्या और सबूत पर ठीक से विचार करने के बाद इस बारे में निर्णय लेता है कि क्या करना है तथा संबंधित लोगों को इस निर्णय के बारे में बताता है और फिर उचित कार्रवाई करता है।
- शिकायत प्रक्रियाओं के लिए गोपनीयता महत्वपूर्ण है। जब लोग शिकायत करना चाहते हैं तो गोपनीयता और निजता के बारे में लोगों की चिंताएँ हो सकती है। हो सकता है कि वे गुमनाम रहना चाहें, या हो सकता है कि वे पुलिस जैसे प्राधिकारी-वर्गों के साथ जानकारी को साझा न करना चाहें। कभी-कभी गोपनीयता को बनाए नहीं रखा जा सकता है, या तो बच्चों की सुरक्षा के लिए या इसलिए कि जिसके बारे में शिकायत की जा रही है, उसके साथ उचित व्यवहार किया जा सके। आपकी शिकायत से निपटने की नीति में यह स्पष्ट होना चाहिए कि शिकायत किए जाने पर गोपनीयता का प्रबंधन कैसे किया जाना चाहिए।
- व्यक्तिगत जानकारी जो किसी बच्चे या शिकायत से जुड़े किसी अन्य व्यक्ति की पहचान करती है, उसे केवल संबंधित कानूनों के तहत प्राप्त अनुमति के अनुसार संगठन द्वारा प्रकट किया जाना चाहिए।
- यह आवश्यक है कि आपके संगठन की शिकायत से निपटने की नीति और प्रक्रियाएँ आपके कर्मचारियों और स्वयंसेवकों पर लागू होने वाले किसी भी रोजगार कानून दायित्वों के अनुरूप हों। आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी कर्मचारी के आचरण के संबंध में की जाने वाली कोई भी जांच प्रक्रियात्मक रूप से उचित हो।

अनुपालन संकेतक

इस मानक का आकलन करते समय आयोग क्या अवलोकन करेगा?

संगठन आम तौर पर इसका अनुपालन करेंगे यदि वे इन दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करते हैं और ऐसे तरीके से इन कार्रवाइयों को करते हैं जो इस मानक को हासिल करने के लिए संगठन का समर्थन करता है।[22]

दस्तावेज़

- शिकायत से निपटने की नीति समझने में आसान है, यह सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित, सुलभ और बाल-केंद्रित है। शिकायत से निपटने की नीति:
  - इसमें यह जानकारी शामिल है कि वयस्क और बच्चे शिकायत कैसे कर सकते हैं और संगठन तुरंत और संपूर्ण तरीके से शिकायतों का जवाब कैसे देगा और इनकी जांच कैसे करेगा (7.1, 7.2, 7.3)
  - एक ऐसी शिकायत प्रक्रिया का निर्माण करती है जो बच्चों, कर्मचारियों, स्वयंसेवकों, परिवारों और समुदायों की पूर्ण विविधता के लिए सुलभ है (7.1)
  - वयस्कों और अन्य बच्चों द्वारा बच्चों के कथित दुर्व्यवहार और नुकसान को शामिल करती है (7.1, 7.4)
  - संगठन की आचार संहिता के उल्लंघनों को शामिल करती है (7.1)
  - यह तय करती है कि शिकायत करने वालों के लिए क्या सहायता और मदद प्रदान की जाएगी (7.1)
  - यह दर्शाती है कि कोई शिकायत किए जाने पर और किसी जांच के किए जाने पर बच्चों के लिए जोखिम का प्रबंधन कैसे किया जाएगा (मानक 9 के लिंक)
  - रिकॉर्ड रखने के दायित्वों को शामिल करती है (7.2 और 2.6 के लिंक)
  - गोपनीयता और रोजगार कानून के दायित्वों को पूरा करने का समर्थन करती है। (7.5)
- दस्तावेज़, प्रिंट या ऑनलाइन में, कर्मचारियों, स्वयंसेवकों, बच्चों, परिवारों और समुदायों के लिए शिकायत प्रक्रिया का वर्णन करते हैं। (7.1, 7.2)
- नीतियों और प्रक्रियाओं में इस बारे में जानकारी शामिल है कि विक्टोरिया पुलिस, चाइल्ड प्रोटेक्शन (बाल संरक्षण) और बाल एवं युवा लोगों के लिए आयोग सहित प्राधिकारी-वर्गों को शिकायतों की रिपोर्ट कब की जानी चाहिए। (7.5)
- अनुशासनात्मक नीतियां शिकायत होने पर कार्रवाई करने के लिए संगठन का समर्थन करती हैं। (7.1)

[22] आपके संगठन की प्रकृति या विशेषताओं का यह अर्थ हो सकता है कि आपको इस मार्गदर्शिका में प्रस्तावित चीज़ों से कुछ अलग करने की ज़रूरत है। यदि ऐसा है, तो आपको यह बताना पड़ सकता है कि आपका दृष्टिकोण परिणामों और मानकों की न्यूनतम आवश्यकताओं का अनुपालन कैसे करता है। कुछ क्षेत्रों और संगठनों के सह-नियामक हैं जिन्होंने विशिष्ट मार्गदर्शन जारी किया है। जहाँ मानकों पर सह-नियामक का मार्गदर्शन आपके संगठन पर लागू होता है, और यह इस मार्गदर्शिका से अलग है, तो आपके संगठन को उस क्षेत्र में आपके संचालनों के लिए सह-नियामक के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

कार्रवाईयाँ

- संगठन इस बारे में जानकारी देता है कि शिकायत को संगठन से जुड़े सभी लोगों के लिए कैसे उपलब्ध और सुलभ बनाया जाए। (7.2, 7.4)
- संगठन कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को इस बारे में सहायता और जानकारी प्रदान करता है कि क्या और कैसे रिपोर्ट करना है, इसमें संगठन के बाहर के प्राधिकारी-वर्गों को रिपोर्ट करना शामिल है। (7.1, 7.3, 7.4)
- शिकायतों को गंभीरता से लिया जाता है, जिसका अर्थ है कि संगठन लगातार:
  - बच्चों के लिए किसी भी जोखिम की पहचान करता है और उसका प्रबंधन करता है
  - शिकायतों का तुरंत और पूरी तरह से जवाब देता है
  - बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है और गोपनीयता और रोजगार कानून के दायित्वों को भी पूरा करता है
  - शिकायत प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों का समर्थन करता है
  - प्राधिकारी-वर्गों को बच्चों के कथित दुर्व्यवहार या नुकसान से जुड़ी शिकायतों और बाल सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं की रिपोर्ट करता है और कानून प्रवर्तन के साथ सहयोग करता है। (7.1, 7.3, 7.4, 7.5 और मानक 9 के लिंक)
- संगठन को की गई शिकायतों के रिकॉर्ड रखे जाते हैं, जिसमें बच्चों की सुरक्षा के बारे में प्रकट की गई चिंताएं और बच्चों के कथित दुर्व्यवहार या नुकसान के बारे में किए गए खुलासे और प्रतिक्रिया करने के लिए की गई कार्रवाइयां शामिल हैं। (7.3 और 2.6 के लिंक)
- शिकायत प्रबंधन नीतियों और प्रक्रियाओं का डिज़ाइन और इनकी समीक्षा करते समय बच्चों, परिवारों और समुदायों से परामर्श किया जाता है। (7.2 और 4.3 के लिंक)
- संगठन नियमित अंतराल पर शिकायत से निपटने की नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करता है। (7.1 और 10.1 के लिंक)

मानक 8: स्टाफ और स्वयंसेवक निरंतर शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों और युवाओं को सुरक्षित रखने के लिए ज्ञान, कौशल और जागरूकता से लैस हैं

बाल सुरक्षा मानक 8 के अनुपालन में एक संगठन को कम से कम यह सुनिश्चित करना होगा कि:

8.1 संगठन की बाल सुरक्षा और भलाई नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित और समर्थित किया जाता है।

8.2 कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को अन्य बच्चों और युवाओं द्वारा उत्पन्न किए जाने वाले नुकसान सहित बाल नुकसान के संकेतकों को पहचानने के लिए प्रशिक्षण और जानकारी मिलती है।

8.3 कर्मचारी और स्वयंसेवक बाल सुरक्षा और भलाई के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने के लिए प्रशिक्षण और जानकारी प्राप्त करते हैं और नुकसान का खुलासा करने वाले सहकर्मियों का समर्थन करते हैं।

8.4 कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को बच्चों और युवाओं के लिए सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित वातावरणों का निर्माण करने के बारे में प्रशिक्षण और जानकारी मिलती है।

मुख्य विषय

- जब किसी संगठन के कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को उचित रूप से सूचित, प्रशिक्षित और समर्थित किया जाता है, तो उनकी संगठन की बाल सुरक्षा मान्यताओं को बनाए रखने की अधिक संभावना होती है और अपने प्रबंधक या बाल सुरक्षा व्यक्ति को चिंताओं की रिपोर्ट करने की अधिक संभावना होती है।
- केवल बाल सुरक्षा और कल्याण नीति होने से ही बच्चों को दुर्व्यवहार और नुकसान से बचाया नहीं जा सकता है। बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए संगठनों को अपने कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को ज्ञान और कौशल से लैस करना होगा। इसका अर्थ है कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को निरंतर शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना ताकि वे अपनी भूमिकाएँ निभाते समय इसे लागू कर सकें।
- बाल सुरक्षा संगठन उन संकेतों की पहचान करने के लिए अपने कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का समर्थन करता है जहाँ हो सकता है कि कोई बच्चा दुर्व्यवहार या नुकसान का अनुभव कर रहा हो। कभी-कभी कोई बच्चा किसी को बता सकता है यदि उसे नुकसान पहुँचाया जा रहा है, लेकिन दूसरे समयों पर कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को व्यवहार, भावनाओं या शारीरिक बनावट में किन्हीं परिवर्तनों पर ध्यान देने की ज़रूरत होगी।
- बाल सुरक्षा संगठन अपने कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण और जानकारी भी प्रदान करता है ताकि वे बच्चों की भलाई और सुरक्षा के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दे सकें, जिसमें बच्चों का समर्थन करना और उनके द्वारा किए गए किसी भी खुलासे का जवाब देना शामिल है।
- किसी बच्चे को नुकसान पहुँचने के खुलासे प्राप्त करना चिंताजनक और तनावपूर्ण दोनों हो सकता है। इसका अर्थ यह है कि कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के लिए यह जानना उपयोगी होता है कि वे किससे मार्गदर्शन और सहायता प्राप्त कर सकते हैं और अपने सहयोगियों का समर्थन कैसे कर सकते हैं।

- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाने हेतु मार्गदर्शन की आवश्यकता है कि एबोरिजनल लोग और सांस्कृतिक और भाषाई रूप से विविध पृष्ठभूमि के लोग यह महसूस करते हैं कि उनकी संस्कृति और पहचान का सम्मान किया जाता है, कि नस्लवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाता है, कि वे अपने आप को बदलने की ज़रूरत के बिना सुरक्षित महसूस करते हैं।
- नुकसान के संकेतकों सहित बाल सुरक्षा के मुद्दों पर कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के लिए प्रशिक्षण और जानकारी चुनौतीपूर्ण हो सकती है, खासकर बाल दुर्व्यवहार के उत्तरजीवियों के लिए। सदमा-सूचित दृष्टिकोण में किसी व्यक्ति पर सदमे और तनाव के प्रभावों को समझना और प्रदान की जा रही जानकारी की प्रकृति और इसे प्रदान किए जाने के तरीके के प्रति संवेदनशील होना शामिल है। यह व्यक्तियों को आगे अधिक नुकसान से बचाने का प्रयास करता है।

अनुपालन संकेतक

इस मानक का आकलन करते समय आयोग क्या अवलोकन करेगा?

संगठन आम तौर पर इसका अनुपालन करेंगे यदि वे इन दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करते हैं और ऐसे तरीके से इन कार्रवाइयों को करते हैं जो इस मानक को हासिल करने के लिए संगठन का समर्थन करता है।[23]

दस्तावेज़

- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के लिए प्रशिक्षण कार्य योजना में निम्नलिखित पर प्रशिक्षण दिया जाना शामिल है:
  - बाल सुरक्षा और कल्याण नीति (8.1)
  - बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के संकेतकों की पहचान करना (8.2)
  - किसी बच्चे को नुकसान पहुंचने के बारे में खुलासा करने वाले व्यक्ति का समर्थन कैसे करें (8.3)
  - आंतरिक और बाहरी रिपोर्टिंग आवश्यकताओं, परिवारों और देखभालकर्ताओं को सूचित करने और बच्चों के लिए जोखिमों का प्रबंधन करने सहित बाल सुरक्षा के मुद्दों पर प्रतिक्रिया कैसे करें (8.3)
  - सांस्कृतिक सुरक्षा का समर्थन कैसे करें। (8.4)
- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के लिए मार्गदर्शन सामग्रियाँ (जैसे नीतियां, प्रक्रियाएं, दिशानिर्देश, सूचना पत्रक और पोस्टर) निम्नलिखित के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करती हैं:
  - बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के संकेतकों की पहचान करने के बारे में, जिसमें अन्य बच्चों के द्वारा ऐसा किए जाने की स्थितियाँ शामिल हैं (8.2)
  - आंतरिक और बाहरी रिपोर्टिंग आवश्यकताओं, परिवारों और देखभालकर्ताओं को सूचित करने और बच्चों के लिए जोखिमों का प्रबंधन करने सहित बाल सुरक्षा के मुद्दों पर प्रतिक्रिया कैसे करें (8.3)

---

[23] आपके संगठन की प्रकृति या विशेषताओं का यह अर्थ हो सकता है कि आपको इस मार्गदर्शिका में प्रस्तावित चीज़ों से कुछ अलग करने की ज़रूरत है। यदि ऐसा है, तो आपको यह बताना पड़ सकता है कि आपका दृष्टिकोण परिणामों और मानकों की न्यूनतम आवश्यकताओं का अनुपालन कैसे करता है। कुछ क्षेत्रों और संगठनों के सह-नियामक हैं जिन्होंने विशिष्ट मार्गदर्शन जारी किया है। जहाँ मानकों पर सह-नियामक का मार्गदर्शन आपके संगठन पर लागू होता है, और यह इस मार्गदर्शिका से अलग है, तो आपके संगठन को उस क्षेत्र में आपके संचालनों के लिए सह-नियामक के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

- किसी बच्चे को नुकसान पहुंचने का खुलासा करने वाले व्यक्ति का समर्थन कैसे करें (8.3)
- संगठन में सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित परिवेशों का निर्माण कैसे करें। (8.4)

- प्रशिक्षण रजिस्टर कर्मचारियों और स्वयंसेवकों द्वारा प्रशिक्षण पूरा करने का रिकॉर्ड रखता है। (8.1, 8.2, 8.3, 8.4)

कार्रवाईयाँ

- मार्गदर्शक कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को यह बताते हैं कि बाल सुरक्षा प्रशिक्षण अनिवार्य है। (8.1, 8.2, 8.3, 8.4)
- इंडक्शन के समय और नियमित अंतरालों पर कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को बाल सुरक्षा और कल्याण नीति पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। (8.1)
- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जो निम्नलिखित काम करने में उनकी क्षमता में सहायता देता है:
  - बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के संकेतों की पहचान करना (8.2)
  - आंतरिक और बाहरी रिपोर्टिंग आवश्यकताओं, परिवारों और देखभालकर्ताओं को सूचित करने और बच्चों के लिए जोखिमों का प्रबंधन करने सहित बाल सुरक्षा के मुद्दों पर प्रतिक्रिया देना (8.3)
  - बच्चे के होने वाले नुकसान का खुलासा करने वाले व्यक्ति का समर्थन करना (8.2, 8.3)
  - संगठन में सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित परिवेशों का निर्माण करना। (8.4)
- बाल सुरक्षा पर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन:
  - बच्चों के साथ संगठन की सहभागिता और संगठन में बच्चों की जरूरतों के लिए उपयुक्त होता है
  - सदमे द्वारा सूचित होता है
  - कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को अपने कौशल और ज्ञान को अप-टु-डेट रखने में सक्षम बनाने के लिए नियमित रूप से पेश किया जाता है
  - प्रभावी बने रहने के लिए नियमित रूप से इसकी समीक्षा की जाती है और इसे अपडेट किया जाता है। (8.1, 8.2, 8.3, 8.4)
- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के पर्यवेक्षण और प्रबंधन में बाल सुरक्षा प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करना शामिल है। (8.1, 8.2, 8.3, 8.4)

मानक 9: भौतिक और ऑनलाइन परिवेश बच्चों और युवाओं को नुकसान पहुंचाने के अवसर को कम करते हुए सुरक्षा और भलाई को बढ़ावा देते हैं

बाल सुरक्षा मानक 9 के अनुपालन में एक संगठन को कम से कम यह सुनिश्चित करना होगा कि:

9.1 कर्मचारी और स्वयंसेवक बच्चे के निजता के अधिकार, सूचना तक पहुंच, सामाजिक संपर्कों और सीखने के अवसरों से समझौता किए बिना ऑनलाइन और भौतिक परिवेशों में जोखिमों की पहचान करते हैं और उन्हें कम करते हैं।

9.2 ऑनलाइन परिवेश का उपयोग संगठन की आचार संहिता और बाल सुरक्षा और कल्याण नीति और प्रथाओं के अनुसार किया जाता है।

9.3 जोखिम प्रबंधन योजनाएं संगठनात्मक परिवेश, गतिविधियों और भौतिक परिवेश से उत्पन्न जोखिमों पर विचार करती हैं।

9.4 तीसरे पक्ष से सुविधाओं और सेवाओं का अनुबंध करने वाले संगठनों की ऐसी खरीद नीतियां हैं जो बच्चों और युवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं।

मुख्य विषय

- संगठनों में जोखिम की पहचान करना और उसका प्रबंधन करना बच्चों को नुकसान से सुरक्षित रखने का एक मूलभूत कदम है। जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण अपनाकर, कोई संगठन बच्चों को नुकसान या दुर्व्यवहार से पीड़ित होने की संभावना को सक्रिय रूप से कम कर सकता है।
- बाल सुरक्षा मानकों के उद्देश्य के लिए, 'जोखिम' का अर्थ है किसी संगठन के संबंध में किसी बच्चे को नुकसान पहुंचने या उसके साथ दुर्व्यवहार होने की संभावना। इसमें संगठन या इसमें शामिल लोगों से बच्चों के लिए होने वाले जोखिम शामिल हैं, और वे जोखिम भी शामिल हैं जो संगठन द्वारा की गई गतिविधियों के कारण उत्पन्न होते हैं और जो इसके भौतिक और ऑनलाइन परिवेशों में उत्पन्न होते हैं।
- यह आवश्यक है कि सभी संगठन उन बच्चों के संभावित जोखिमों का विश्लेषण करें और उन्हें समझें जिनके साथ वे सहभागिता करते हैं। संगठनात्मक संरचना और संस्कृति, गतिविधियों और भौतिक और ऑनलाइन परिवेशों द्वारा उत्पन्न जोखिमों के बारे में, साथ ही साथ नए जोखिमों के सामने आने पर उन पर ध्यान देने के बारे में भी सोचना महत्वपूर्ण है।
- जोखिम की पहचान और प्रबंधन करते समय, किसी विशेष गतिविधि या दृष्टिकोण से बच्चों को होने वाले लाभों के खिलाफ इससे बच्चों को होने वाले नुकसान और दुर्व्यवहार के जोखिम को प्रबंधित करने की आवश्यकता को संतुलित करना महत्वपूर्ण है।
- ऑनलाइन प्रौद्योगिकियां लगातार बदल रही हैं, और बच्चे अक्सर इन परिवर्तनों को अपनाने में माता-पिता, देखभालकर्ताओं और संगठनात्मक कर्मचारियों से आगे होते हैं। ऑनलाइन व्यवहार को आपके संगठन की आचार संहिता में शामिल किया जाना आवश्यक है, और बाल सुरक्षा और भलाई नीतियों और प्रथाओं को भी ऑनलाइन परिवेश को संबोधित करने की आवश्यकता है।

- तृतीय पक्षों के साथ व्यवस्थाएँ या अनुबंध भी बाल सुरक्षा जोखिमों को पेश कर सकते हैं। वे अज्ञात लोगों, या ऐसे लोगों, जो बाल सुरक्षा जांच के समान स्तर के अधीन नहीं हैं, को संगठन के साथ शामिल बच्चों के संपर्क में ला सकते हैं।
- यह आवश्यक है कि संगठन अपने से जुड़े बच्चों को तीसरे पक्षों द्वारा प्रस्तुत किन्हीं भी जोखिमों पर विचार करें, उनकी पहचान करें और उनका प्रबंधन करें।
- संगठनों को उनके बाल सुरक्षा जोखिम आकलन और प्रबंधन योजना को पूरा करने में मदद करने के लिए जोखिम आकलन और प्रबंधन टेम्पलेट विकसित किए गए हैं।

अनुपालन संकेतक

इस मानक का आकलन करते समय आयोग क्या अवलोकन करेगा?

संगठन आम तौर पर इसका अनुपालन करेंगे यदि वे इन दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करते हैं और ऐसे तरीके से इन कार्रवाइयों को करते हैं जो इस मानक को हासिल करने के लिए संगठन का समर्थन करता है।[24]

दस्तावेज़

- जोखिम आकलन संगठन से जुड़े भौतिक और ऑनलाइन दोनों परिवेशों में बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के जोखिमों की पहचान करता है। (9.1, 9.3)
- जोखिम प्रबंधन योजनाएं उन कार्रवाइयों को सूचीबद्ध करती हैं जो संगठन बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के पहचाने गए प्रत्येक जोखिम को रोकने या कम करने के लिए करेगा। (9.3)
- आचार संहिता और बाल सुरक्षा और भलाई नीति यह पहचान करती है कि संगठन उच्च जोखिम वाली गतिविधियों के विशिष्ट संदर्भ में बच्चों को भौतिक और ऑनलाइन परिवेशों में सुरक्षित कैसे रखेगा। (9.2, 9.3)
- तीसरे पक्ष के ठेकेदारों को शामिल करने के बारे में खरीद नीतियां बच्चों को बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के जोखिमों से बचाने के लिए प्रक्रियाएं निर्धारित करती हैं, जैसे कि संगठन की आचार संहिता और बाल सुरक्षा और कल्याण नीति के अनुपालन की आवश्यकता का होना। (9.4)

कार्रवाईयाँ

- जोखिम आकलन और प्रबंधन योजनाएं कर्मचारियों, स्वयंसेवकों और बच्चों के विचारों और चिंताओं के प्रति सूचित और उत्तरदायी होती हैं। योजनाएँ दर्शाती हैं कि संगठन ने बच्चों के निजता के अधिकारों, सूचना तक पहुंच, सामाजिक संपर्कों और सीखने के अवसरों के खिलाफ नुकसान और दुर्व्यवहार के जोखिम को प्रबंधित करने की आवश्यकता को संतुलित किया है। (9.1, 9.3)

---

[24] आपके संगठन की प्रकृति या विशेषताओं का यह अर्थ हो सकता है कि आपको इस मार्गदर्शिका में प्रस्तावित चीज़ों से कुछ अलग करने की ज़रूरत है। यदि ऐसा है, तो आपको यह बताना पड़ सकता है कि आपका दृष्टिकोण परिणामों और मानकों की न्यूनतम आवश्यकताओं का अनुपालन कैसे करता है। कुछ क्षेत्रों और संगठनों के सह-नियामक हैं जिन्होंने विशिष्ट मार्गदर्शन जारी किया है। जहाँ मानकों पर सह-नियामक का मार्गदर्शन आपके संगठन पर लागू होता है, और यह इस मार्गदर्शिका से अलग है, तो आपके संगठन को उस क्षेत्र में आपके संचालनों के लिए सह-नियामक के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को जोखिम प्रबंधन योजनाएँ प्रदान की जाती हैं ताकि वे बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के जोखिमों से अवगत हों और यह जानते हों कि उन्हें रोकने और कम करने के लिए उन्हें क्या कार्रवाई करने की आवश्यकता है। (9.1)
- पहचान होने पर बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के जोखिमों को रोकने और कम करने के लिए संगठन में कर्मचारियों और स्वयंसेवकों द्वारा कार्रवाई की जाती है। (9.1)
- जोखिम आकलनों और प्रबंधन योजनाओं की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है ताकि उन्हें अप-टू-डेट रखा जाए और इसमें शिकायतों, चिंताओं और सुरक्षा घटनाओं से सबक शामिल हो सकें। (9.1, 9.2)
- संगठन का नेतृत्व और शासन व्यवस्थाएँ यह सुनिश्चित करती हैं कि जोखिम आकलन और प्रबंधन बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के जोखिमों की पहचान करने, उन्हें रोकने और कम करने पर केंद्रित है। (2.5 के लिंक)
- तृतीय पक्षों के साथ अनुबंधों पर बातचीत करते समय, अनुबंधों में ऐसी शर्तें शामिल होती हैं जो उस स्थिति में संगठन को कार्रवाई करने की अनुमति देती हैं यदि तृतीय पक्ष अपेक्षित बाल सुरक्षा और कल्याण मानकों को पूरा नहीं करता है। (9.4)
- जब तृतीय पक्ष के ठेकेदारों को नियुक्त किया जाता है, तो संगठन द्वारा यह आकलन करने के लिए कार्रवाई की जाती है कि क्या और किस हद तक, तृतीय पक्ष के ठेकेदारों की भागीदारी बाल शोषण और नुकसान के जोखिम पैदा करती है। (9.4)
- तृतीय पक्ष के ठेकेदारों द्वारा पेश होने वाले जोखिम के स्तर के आधार पर, संगठन को बाल दुर्व्यवहार या नुकसान के जोखिमों को रोकने या कम करने के लिए कार्रवाईयां करनी चाहिए। उपयुक्त कार्रवाइयों में निम्न शामिल हो सकती हैं:
  - तृतीय पक्ष के ठेकेदारों के लिए संगठन की नीतियों और प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक बनाना
  - बाल सुरक्षा मानकों और/या संगठन की नीतियों और प्रक्रियाओं के साथ तृतीय पक्ष के ठेकेदारों द्वारा अनुपालन की निगरानी करना
  - बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के जोखिमों की पहचान करने, उन्हें रोकने और कम करने के लिए तृतीय पक्ष के ठेकेदारों के साथ काम करना
  - जहाँ कोई संगठन तृतीय पक्ष के ठेकेदारों द्वारा बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के जोखिमों को पर्याप्त रूप से प्रबंधित करने में असमर्थ हो, वहाँ अनुबंध को समाप्त करने या बच्चों की सुरक्षा के लिए अन्य उचित कार्रवाई करने पर विचार करना। (9.4)
- यदि उपयुक्त हो, तो कर्मचारियों, स्वयंसेवकों, माता-पिता, देखभालकर्ताओं और बच्चों को ऑनलाइन परिवेश में ऑनलाइन सुरक्षा और जोखिमों के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है, जैसे कि ऑनलाइन ग्रूमिंग, साइबर बुलिंग और सेक्सटिंग। नकारात्मक अनुभवों या चिंताओं की रिपोर्ट करने के लिए सहायता दी जाती है। (9.2)

मानक 10: बाल सुरक्षा मानकों के कार्यान्वयन की नियमित तौर पर समीक्षा और इसमें सुधार किया जाता है

बाल सुरक्षा मानक10 के अनुपालन में एक संगठन को कम से कम यह सुनिश्चित करना होगा कि:

10.1 संगठन नियमित रूप से बाल सुरक्षा प्रथाओं की समीक्षा, आकलन और इनमें सुधार करता है।

10.2 निरंतर सुधार की सूचना देने के लिए कारणों और प्रणालीगत विफलताओं की पहचान करने के लिए शिकायतों, चिंताओं और सुरक्षा घटनाओं का विश्लेषण किया जाता है।

10.3 संगठन कर्मचारियों और स्वयंसेवकों, समुदाय और परिवारों, और बच्चों और युवाओं के लिए प्रासंगिक समीक्षाओं के निष्कर्षों पर रिपोर्ट करता है।

मुख्य विषय

- बाल सुरक्षित संगठन होना एक बार के अभ्यास के रूप में हासिल नहीं किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। बाल सुरक्षा संगठनों की खुली और पारदर्शी संस्कृति होती है, जो अपनी गलतियों से सीखते हैं और बच्चों के हितों को सबसे आगे रखते हैं।
- नियमित समीक्षाओं से यह जांच होनी चाहिए कि आपकी नीतियां, प्रक्रियाएं और प्रथाएं पर्याप्त, अप-टू-डेट और प्रभावी हैं, और यह कि उन्हें पूरी तरह से लागू किया जा रहा है और सभी द्वारा उनका पालन किया जा रहा है।
- अप-टू-डेट और प्रभावी नीतियों और प्रक्रियाओं को बनाए रखने के लिए वार्षिक समीक्षा एक अच्छा अभ्यास है। तेजी से बदलते परिवेश में, अधिक बार की जाने वाली समीक्षा की आवश्यकता हो सकती है।
- शिकायतों, चिंताओं और सुरक्षा घटनाओं का अवलोकन करना समीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, आपके संगठन की बाल सुरक्षा प्रणालियों और प्रथाओं की प्रभावशीलता के बारे में जानकारी प्रदान करता है, और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद कर सकता है जहाँ आगे के दुर्व्यवहार या नुकसान को रोकने के लिए परिवर्तनों की आवश्यकता होती है।
- शिकायतों, चिंताओं और सुरक्षा घटनाओं के आपके विश्लेषण में निम्नलिखित पर विचार किया जाना चाहिए:
  - प्रत्येक मामले के पीछे के अंतर्निहित कारण या मुद्दे
  - आपकी नीतियों, प्रक्रियाओं या प्रथाओं में कमियों या असफलताओं के कोई संकेत
  - व्यवहारों, अभ्यासों, घटनाओं या बाल-बाल बचने की घटनाओं के पैटर्न
  - ऐसे कोई भी संकेत कि हो सकता है कि आपके संगठन के लोग यह न समझ पाते हों कि आपकी बाल सुरक्षा नीतियों का पालन कैसे किया जाए
  - पहचाने गए मुद्दों को हल करने के लिए क्या बदलने की जरूरत है।

- समीक्षा निष्कर्षों पर रिपोर्ट करते समय आपको यह विचार करना चाहिए कि आप कैसे:
  - निष्कर्षों को समयबद्ध तरीके से साझा करते/ती हैं ताकि वे वर्तमान और सार्थक बने रहें
  - निष्कर्षों को आयु-उपयुक्त तरीकों से संप्रेषित करते/ती हैं और यह सुनिश्चित करते/ती हैं कि उन तक पहुंचना और समझना आसान है
  - समीक्षाओं से सीख साझा करते/ती हैं और किन्हीं ऐसी योजनाओं को दर्शाते/ती हैं जो बाल सुरक्षा प्रथाओं या प्रणालियों को बदलने या अपडेट करने से और इस बात से जुड़ी होती हैं कि ये परिवर्तन कब होंगे, और/या क्या आगे कोई समीक्षाएं होंगी
  - कानून द्वारा आवश्यक तरीके से या जहाँ आपने ऐसा करने के लिए प्रतिबद्धता की हो, लोगों की निजता की रक्षा करना और गोपनीयता बनाए रखना याद रखते/ती हैं
  - यह विचार करते/ती हैं कि समीक्षा पर सार्वजनिक रूप से रिपोर्ट करने से संदर्भित किन्हीं भी घटनाओं में शामिल पक्षों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है - विशेष रूप से किसी भी पीड़ित-उत्तरजीवी व्यक्ति को यह चेतावनी देने की आवश्यकता पर विचार करें कि रिपोर्ट प्रकाशित की जाएगी।

अनुपालन संकेतक

इस मानक का आकलन करते समय आयोग क्या अवलोकन करेगा?

संगठन आम तौर पर इसका अनुपालन करेंगे यदि वे इन दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करते हैं और ऐसे तरीके से इन कार्रवाइयों को करते हैं जो इस मानक को हासिल करने के लिए संगठन का समर्थन करता है।[25]

दस्तावेज़

- सभी नीतियों और प्रक्रियाओं की दस्तावेज़ में दर्शाई गई एक नियमित समीक्षा अवधि होती है। (10.1)
- रिपोर्टें किन्हीं भी बाल सुरक्षा और भलाई की समीक्षाओं और निष्कर्षों का दस्तावेजीकरण करती हैं। (10.3)

कार्रवाईयाँ

- शिकायतों, चिंताओं, आरोपों और जवाब देने के लिए की गई कार्रवाइयों के रिकॉर्ड रखे जाते हैं। (10.1, 10.2, 10.3)
- शिकायतों, चिंताओं, सुरक्षा घटनाओं या नीति (जैसे आचार संहिता) के महत्वपूर्ण उल्लंघनों की जांच यह समझने के लिए की जाती है कि समस्या का कारण क्या है और क्या संगठन की नीतियों, प्रक्रियाओं और प्रथाओं में कोई खामियां हैं जिन्होंने समस्या में योगदान दिया है। जहाँ खामियों या असफलताओं की पहचान की जाती है, वहाँ समस्या को फिर से होने से रोकने के लिए सुधार किए जाते हैं। (10.1, 10.2)

---

[25] आपके संगठन की प्रकृति या विशेषताओं का यह अर्थ हो सकता है कि आपको इस मार्गदर्शिका में प्रस्तावित चीज़ों से कुछ अलग करने की ज़रूरत है। यदि ऐसा है, तो आपको यह बताना पड़ सकता है कि आपका दृष्टिकोण परिणामों और मानकों की न्यूनतम आवश्यकताओं का अनुपालन कैसे करता है। कुछ क्षेत्रों और संगठनों के सह-नियामक हैं जिन्होंने विशिष्ट मार्गदर्शन जारी किया है। जहाँ मानकों पर सह-नियामक का मार्गदर्शन आपके संगठन पर लागू होता है, और यह इस मार्गदर्शिका से अलग है, तो आपके संगठन को उस क्षेत्र में आपके संचालनों के लिए सह-नियामक के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

- संगठन नियमित रूप से नीतियों, प्रक्रियाओं और बाल सुरक्षा प्रथाओं की समीक्षा करता है, और निम्नलिखित पर विचार करते हुए सुधार करता है:
  - शिकायतों, चिंताओं, सुरक्षा घटनाओं और नीति के महत्वपूर्ण उल्लंघनों का विश्लेषण
  - कर्मचारियों, स्वयंसेवकों, बच्चों, परिवारों और समुदायों से मांगी गई प्रतिक्रिया
  - क्या संगठन ने बाल सुरक्षा मानकों में से प्रत्येक को पूरी तरह से लागू किया है। (10.1, 10.2 और मानक 3 और 4.3 के लिंक)
- संगठन की बाल सुरक्षा प्रथाओं की समीक्षाओं के जवाब में किए गए निष्कर्षों और कार्रवाइयों के बारे में रिपोर्ट कर्मचारियों, स्वयंसेवकों, बच्चों, परिवारों और समुदायों के साथ साझा की जाती हैं। (10.3)

मानक 11: नीतियां और प्रक्रियाएँ इस बात को दस्तावेज़ी रूप देती हैं कि संगठन बच्चों और युवाओं के लिए कैसे सुरक्षित है

बाल सुरक्षा मानक 11 के अनुपालन में एक संगठन को कम से कम यह सुनिश्चित करना होगा कि:

11.1 नीतियां और प्रक्रियाएँ सभी बाल सुरक्षा मानकों को पूरा करती हैं।

11.2 नीतियों और प्रक्रियाओं को दस्तावेज़ी रूप दिया जाता है और ये समझने में आसान हैं।

11.3 सर्वोत्तम अभ्यास मॉडल और हितधारक परामर्श नीतियों और प्रक्रियाओं के विकास को सूचित करते हैं।

11.4 मार्गदर्शक नीतियों और प्रक्रियाओं का अनुपालन करते हैं और इसकी मिसाल पेश करते हैं।

11.5 कर्मचारी और स्वयंसेवक नीतियों और प्रक्रियाओं को समझते हैं और उन्हें लागू करते हैं।

मुख्य विषय

- सभी मानकों को लागू करने के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं का दस्तावेजीकरण संगठन से जुड़े सभी लोगों को एक संदेश भेजता है कि बाल सुरक्षा महत्वपूर्ण है। पसंदीदा प्रथाओं को ध्यान में रखना या यह मानना पर्याप्त नहीं है कि संगठन में हर कोई पहले से ही सही काम कर रहा है। नियमों और अपेक्षाओं को नीति में लिखा जाना और औपचारिक रूप दिया जाना आवश्यक है ताकि उन्हें आपके पूरे संगठन में बाल सुरक्षा को निरंतर रूप से अपनाए जाने के लिए साझा किया जा सके और उनका उपयोग किया जा सके।
- नीतियां और प्रक्रियाएँ इस बात का वर्णन करके आपके संगठन के लोगों का मार्गदर्शन करेंगी कि संगठन किस तरह भलाई को बढ़ावा देता है और बाल सुरक्षा के मुद्दों को रोकता है और उन पर प्रतिक्रिया करता है। 'नीतियां' संगठन के प्रलेखित नियम, अपेक्षाएं और स्थितियाँ होती हैं। 'प्रक्रियाएं' वे प्रलेखित कार्रवाईयाँ और प्रक्रियाएँ हैं जो संगठन की नीतियों को संचालन में लाती हैं।
- कुछ बाल सुरक्षा समस्याओं पर प्रतिक्रिया करना जटिल हो सकता है, लेकिन आपको अपने संगठन की नीतियों को यथासंभव सरलता से लिखने का लक्ष्य रखना चाहिए। नीतियों को दर्शकों को ध्यान में रखते हुए लिखा जाना चाहिए, इस बात का ध्यान रखते हुए कि ऐसी भाषा का उपयोग किया जाए जो हर उस व्यक्ति के लिए सुलभ हो, जिसे इसे समझने की आवश्यकता है।
- अगर नीतियों को अलग-अलग विकसित किया जाता है, तो प्रभावी नीतियां बनाना मुश्किल होता है - जिन लोगों को उन्हें लागू करने की आवश्यकता होती है और जो लोग उनसे प्रभावित होते हैं, उनके साथ नीतियों के विकास पर सलाह-मशविरा किया जाना चाहिए। संगठनों को नीतियों और प्रक्रियाओं के विकास में बच्चों, परिवारों और समुदायों को अपनी बात कहने का मौका देना चाहिए।
- अधिकांश बाल सुरक्षा मामले अद्वितीय नहीं होते हैं और अन्य संगठनों, पीक बॉडी (शीर्ष निकायों), विशेषज्ञों और शिक्षाविदों द्वारा पहले भी इन पर विचार किया गया है। दूसरों के अनुभव और उपलब्ध शोध और लिखित मार्गदर्शन द्वारा प्रदान की गई अंतर्दृष्टि का उपयोग करने से, आपके संगठन को बच्चों के लिए सर्वोत्तम परिणामों को उत्पन्न करने में मदद मिल सकती है।

- अनुपालन का समर्थन करने और इसकी मिसाल पेश करने का अर्थ है कि मार्गदर्शक बाल सुरक्षा और भलाई के महत्व पर एक सक्रिय, सुस्पष्ट दृष्टिकोण अपनाते हैं। बाल सुरक्षा मामलों को गंभीरता से लेने के लिए मार्गदर्शक 'मिसाल कायम' करते हैं, और पूरे संगठन में बाल सुरक्षित प्रथाओं को शामिल करने के लिए तुरंत और पूरी तरह से प्रतिक्रिया करते हैं और कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को समय और आवश्यक संसाधन प्रदान करते हैं।
- आपके संगठन के कर्मचारी और स्वयंसेवक बाल सुरक्षित संगठन बनाने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और नीतियों और प्रक्रियाओं को अमल में लाने के लिए उन्हें आवश्यक जानकारी और समर्थन प्रदान किया जाना चाहिए।

अनुपालन संकेतक

इस मानक का आकलन करते समय आयोग क्या अवलोकन करेगा?

संगठन आम तौर पर इसका अनुपालन करेंगे यदि वे इन दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करते हैं और ऐसे तरीके से इन कार्रवाइयों को करते हैं जो इस मानक को हासिल करने के लिए संगठन का समर्थन करता है।[26]

दस्तावेज़

- बाल सुरक्षा और भलाई नीति प्रत्येक बाल सुरक्षित मानक के संबंध में संगठन की अपेक्षाओं, प्रथाओं और दृष्टिकोण को निर्धारित करती है। (11.1, 11.2 और 2.3 के लिंक)
- आचार संहिता कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के व्यवहार और जिम्मेदारियों के लिए अपेक्षाओं को निर्धारित करती है। (11.1, 11.2 और 2.4 के लिंक)
- जोखिम आकलन और प्रबंधन योजनाएं बाल दुर्व्यवहार और नुकसान के जोखिमों पर ध्यान देती हैं। (11.1, 11.2 और 9.1 और 9.3 के लिंक)
- शिकायत से निपटने की नीति और प्रक्रियाएँ यह संबोधित करती हैं कि संगठन कैसे प्रतिक्रिया करेगा और ये सभी आंतरिक और बाहरी रिपोर्टिंग दायित्वों को भी संबोधित करती हैं। (11.1, 11.2 और मानक 7 के लिंक)
- संगठनात्मक भर्ती, मानव संसाधन और स्वयंसेवा नीतियों में बाल सुरक्षा पर स्पष्ट रूप से ध्यान दिया गया है। (11.1, 11.2 और मानक 6 के लिंक)
- यदि आपका संगठन तृतीय पक्षों से सुविधाओं और/या सेवाओं के अनुबंध करता है, तो खरीद नीतियां बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं। (11.1, 11.2 और 9.4 के लिंक)

---

[26] आपके संगठन की प्रकृति या विशेषताओं का यह अर्थ हो सकता है कि आपको इस मार्गदर्शिका में प्रस्तावित चीज़ों से कुछ अलग करने की ज़रूरत है। यदि ऐसा है, तो आपको यह बताना पड़ सकता है कि आपका दृष्टिकोण परिणामों और मानकों की न्यूनतम आवश्यकताओं का अनुपालन कैसे करता है। कुछ क्षेत्रों और संगठनों के सह-नियामक हैं जिन्होंने विशिष्ट मार्गदर्शन जारी किया है। जहाँ मानकों पर सह-नियामक का मार्गदर्शन आपके संगठन पर लागू होता है, और यह इस मार्गदर्शिका से अलग है, तो आपके संगठन को उस क्षेत्र में आपके संचालनों के लिए सह-नियामक के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

कार्रवाईयाँ

- आपके संगठन में शामिल सभी लोगों के साथ बाल सुरक्षा पर नियमित परामर्श किया जाता है. (11.3 और मानक 3 और 4 के लिंक)
- संगठन बाल सुरक्षा और भलाई का निर्माण करने से संबंधित परामर्शों से मिले विचारों (इनपुट) और उपलब्ध जानकारी का प्रयोग करता है ताकि बाल सुरक्षा से संबंधित नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, इनकी समीक्षा करने और इन्हें अपडेट करने में मदद दी जा सके। (11.3)
- संगठन की नीतियां और प्रक्रियाएँ सभी बाल सुरक्षा मानकों को शामिल करती हैं और उन बच्चों की सुरक्षा के जोखिमों पर ध्यान देती हैं जो संगठन और उसके परिवेश के लिए विशिष्ट हैं। (11.1)
- नीतियों और प्रक्रियाओं को समझना आसान है और इन तक आसानी से पहुँच प्राप्त की जा सकती है। (11.2)

आयोग पूरे विक्टोरिया में भूमि के पारंपरिक मालिकों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करता है और उनका अभिनंदन करता है और उनकी पिछली, वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के बुजुर्गों, बच्चों और युवाओं को अपना सम्मान देता है।

© बच्चों और युवाओं के लिए आयोग 2023

यह कार्य कॉपीराइट है। *कॉपीराइट अधिनियम 1968* के तहत अनुमत किसी भी उपयोग के अलावा, किसी भी भाग को किसी भी प्रक्रिया द्वारा बाल और युवा लोगों के लिए आयोग, Level 18, 570 Bourke Street, Melbourne 3000 से पूर्व लिखित अनुमति के बिना पुन: प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है।

बच्चों और युवाओं के लिए कमीशन (आयोग)

Level 18, 570 Bourke Street
Melbourne, Victoria, 3000

DX210229

फोन: 1300 78 29 78
ईमेल: contact@ccyp.vic.gov.au
वेब: ccyp.vic.gov.au

हमें यहां खोजें:
इंस्टाग्राम
फेसबुक
ट्विटर